संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -266 शुक्रवार, 28 जुलाई 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

लाल डायरी के पन्ने खुले तो कईयों की बोलती बंद हो जाएगी: मोदी

सोशल मीडिया पर अशोक गहलोत और पीएम में राजनीतिक खींचतान शुरू

जयपुर,27 जुलाई 2023(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के शेखावाटी इलाके में भाजपा के चुनावी अभियान की आज शुरुआत कर दी। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि एक ही नारा है, जीतेगा कमल, खिलेगा कमल। ये जनसैलाब बता रहा है कि राजस्थान के विधानसभा चुनाव में ऊंट किस करवट बैठेगा और मेरी गांरटी है कि राजस्थान की किस्मत भी बदलेगी।

पीएम ने कहा कि राजस्थान में लाल डायरी में गहलोत सरकार के काले कारनामों का रिकॉर्ड है। लाल डायरी के अलावा पीएम मोदी ने विपक्ष के गठबंधन को आड़े हाथों लिया और नारा दिया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आपने लाल डायरी के बारे में तो सुना ही है, कहते हैं कि इस लाल डायरी में कांग्रेस सरकार के काले कारनामों का काला-चिठ्ठा है। लोग कह रहे हैं कि लाल डायरी के पन्ने खुले तो अच्छे-अच्छे निपट जाएंगे। कांग्रेस नेताओं की लाल डायरी का नाम सुनते ही बोलती बंद हो रही है।

मोदी के कार्यक्रम से हटाया सीएम का संबोधन! सोशल मीडिया पर अशोक गहलोत और पीएम में राजनीतिक खींचतान शुरू

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पीएमओ के बीच गुरुवार को सोशल मीडिया पर राजनीतिक खींचतान शुरू हो गई। अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि सीकर में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के दौरान उनके भाषण का समय खत्म कर दिया गया, तो प्रधानमंत्री कार्यालय ने उसकीआलोचना की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज राजस्थान के सीकर में 12 मेडिक्ल कॉलेजों सहित कई रियोजनाओं का उद्घाटन किए। राजस्थान में इस साल दिसंबर में चुनाव होने हैं। पीएमओ ने अपनी ओर से एकट्वीट में दावा किया कि मुख्यमंत्री कार्यालय से कार्यक्रम में शामिल होने में असमर्थता केबारे में संदेश मिलने के बाद सीएम गहलोत के भाषण को हटाया गया। हालांकि पीएमओ ने गहलोत से अनुरोध किया कि अगर उन्हें कोई शारीरिकपरेशानी नहीं हो, तो वह इस कार्यक्रम में शामिल हों, साथ ही कहा कि उनका नाम विकास कार्यों की पट्टिका पर है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किए।

गहलोत ने अपनी ओर से हिंदी में एकविस्तृत ट्वीट में कहा कि चूंकि उनके भाषण का स्थान कार्यक्रम सूची से हटा दिया गया है, इसलिए वह अपने ट्वीट केमाध्यम से राज्य में प्रधानमंत्री का स्वागत करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आज जिन 12 मेडिक्ल कॉलेजों का उद्घाटन किए उन सभी विक्लस क्र्यों को केंद्र और राज्य सरकार की साझेदारी में पूरा किया गया है। गहलोत ने कहा, मेडिक्ल कॉलेजोंके लिए लगभग 50 प्रतिशत धनराशि राज्य द्वारा दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा किचूंकि उन्हें इस कार्यक्रम में बोलने का मौका नहीं मिलेगा, इसलिए उन्होंने राज्य के सभी विशिष्ट अनुरोधों को सूचीबद्ध किया जो उन्हें उम्मीद है कि छह महीने में राज्य की अपनी सातवीं यात्रा के दौरान प्रधान मंत्री द्वारा पूरा किया जाएगा। पीएमओ ने ट्वीट क्रियाश्री अशोक गहलोत जी, प्रोटोकॉल के अनुसार, आपको आमंत्रित किया गया है और आपका भाषण भी निर्धारित क्रिया गया है। लेकिन, आपकेकार्यालय ने कहा कि आप शामिल नहीं हो पाएंगे।

आज केकार्यक्रम में शामिल होने के लिए आपका स्वागत है।विकास कार्यों की पट्टिका पर भी आपका नाम है। आपकी उपस्थिति को बहुत महत्व दिया जाएगा।

मणिपुर वायरल वीडियो की सीबीआई करेगी जांच

» **गृह मंत्रालय का फैसला;35,000 सुरक्षाकर्मी तैनात**

नई दिल्ली ,27 जुलाई 2023 (ए)। केंद्रीय गृह मंत्रालय मणिपुर वायरल वीडियो की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंपेगा।साथ ही केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर मणिपुर वायरल वीडियो की जांच राज्य से बाहर कराने का निवेदन करेगी।

मोबाइल फोन बरामद

आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जिस मोबाइल से वायरल वीडियो को रिकॉर्ड किया गया था उसको बरामद कर लिया गया है। इसके साथ ही वीडियो बनाने वाले व्यक्ति की भी गिरफ्तारी हो चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, मणिपुर में कानून-व्यवस्था की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है, लेकिन सामान्य नहीं है। लगभग 35,000 सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। मणिपुर में दवा और दैनिक आपूर्ति वाले सामानों की कोई कमी नहीं है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि खाद्य और आवश्यक आपूर्ति की कीमतें नियंत्रण में हैं। बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी काम पर लौट रहे हैं और स्कूल भी फिर से शुरू हो रहे हैं।

अबतक सात लोगों की हुई गिरफ्तारी

उल्लेखनीय है कि मणिपुर के कांगपोकपी जिले में चार मई को दो आदिवासी महिलाओं को नग्न कर घुमाने के संबंध में अबतक सात लोगों की गिरफ्तारी हुई है। साथ ही मोबाइल फोन को भी बरामद कर लिया गया है।

दिल्ली एम्स के डाक्टरों ने रचा इतिहास

» **9 घंटे तक सर्जरी कर आपस में जुड़ी दो बहनों को किया अलग**

नई दिल्ली ,27 जुलाई 2023 (ए)। पेट और छाती से आपस में जुड़े 11 माह के जुड़वां बच्चों को सर्जरी कर अलग कर दिल्ली एम्स के डाक्टरों ने चिकित्सा जगत में एक नया इतिहास रच दिया है। दोनों बहनें छाती से जुड़ी हुई थीं। 9 घंटे की सर्जरी के बाद दोनों को अलग कर दिया गया। एम्स में दो जुड़वा बहनों की सफल सर्जरी के बाद माता पिता बहुत खुश हैं। इन दिनों बहनों का नाम रिद्धि-सिद्धि है। बता दें कि रिद्धि-सिद्धि दोनो छाती से जुड़ी हुई थीं। शरीर के अंदर लीवर का कुछ हिस्सा जुड़ा हुआ था। पिता अंकुर गुप्ता और मां दीपिका गुप्ता बरेली के रहने वाले हैं। गर्भ के दौरान ही पता चल गया था की बच्चे जुड़े हुए हैं। उन्हें इलाज के लिए एम्स जाने की सलाह दी गई क्योंकि स्थानीय स्तर पर उन्नत चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं।

ये दोनों बच्चियां पिछले साल 7 जुलाई को जन्मीं और दोनों 5 महीने तक गहन चिकित्सा कक्ष रहीं। उन्हें 9 घंटे तक चली सर्जरी के बाद एक-दूसरे से अलग किया गया। दोनों बच्चियों का पहला जन्मदिन अस्पताल में ही मनाया गया। बाल चिकित्सा सर्जरी के अतिरिक्त प्रोफैसर डॉ. प्रबुद्ध गोयल ने कहा कि यह विसंगति अजीब थी जहां पसलियां, यकृत, डायफ्रॉम आदि आपस में मिले हुए थे। दोनों ही हृदय एक-दूसरे के बिल्कुल करीब थे यानी करीब-करीब स्पर्श कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इन बच्चियों का 11 महीने की उम्र में आप्रेशन किया गया जब वे सर्जरी की क्रिया को बर्दाश्त करने की स्थिति में पहुंच गई थीं।

ईडी निदेशक एसके मिश्रा का कार्यकाल बढ़ा

नई दिल्ली ,27 जुलाई 2023(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय के निदेशक एसके मिश्रा को 15 सितंबर तक ईडी निदेशक पद पर बने रहने की अनुमति दे दी है। आज सुप्रीम कोर्ट ने ईडी निदेशक के तौर पर एसके मिश्रा के कार्यकाल विस्तार को मंजूरी दे दी है। केंद्र सरकार ने प्रवर्तन निदेशालय के निदेशक संजय कुमार मिश्रा का कार्यकाल बढ़ाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सरकार ने 15 अक्टूबर तक का एक्सटेंशन मांगा था, लेकिन उसके लिए सुप्रीम कोर्ट राजी नहीं हुआ। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इससे आगे अब कोई विस्तार नहीं दिया जाएगा।

विपक्षी गठबंधन की खास रणनीति

» **मोदी सरकार के एक मंत्री को छोड़कर सभी को घेरा जाएगा**

» **मणिपुर के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरने के लिए विपक्षी दलों ने बनाई रणनीति**

नई दिल्ली ,27 जुलाई 2023(ए)। मणिपुर में हिंसा के मुद्दे पर संसद का चल रहा मॉनसून सत्र हंगामेदार होता जा रहा है। संसद के दोनों सदनों में इंडिया विपक्षी दलों के गठबंधन ने सरकार को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। विपक्ष की मांग है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान के साथ मणिपुर के मुद्दे पर भी चर्चा होनी चाहिए। इसलिए सरकार गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर चर्चा करना चाहती है। अब विपक्षी दलों ने मणिपुर के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरने के लिए अलग-अलग रणनीति बनाई है। इसके तहत विपक्षी दलों को मणिपुर के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान के अलावा कुछ भी मंजूर नहीं है।

इसके लिए इंडिया इस विपक्षी गठबंधन ने मानसून सत्र के लिए खास रणनीति बनाई है। उस रणनीति के मुताबिक, जब कोई केंद्रीय मंत्री या सांसद सदन में बोलने के लिए खड़ा होगा तो विपक्षी दल के सांसद नारे लगाएंगे। लेकिन जब नितिन गडकरी जैसे कुछ मंत्री और अन्य दलों के सांसद संसद में बोलते हैं, तो विपक्षी दल चुप रहता है। ऐसी ही तस्वीर बुधवार को सभागार में ही देखने को मिली। बीजेडी सांसद सस्मित पात्रा ने जब राज्यसभा में महिला आरक्षण बिल के मुद्दे पर अपनी बात रखी तो विपक्ष ने संयमित चुप्पी साध ली।

इस बीच विपक्षी गठबंधन में शामिल पार्टी के एक नेता ने कहा कि विपक्षी दलों के सांसद सवाल-जवाब सत्र के दौरान मणिपुर का मुद्दा उठाएंगे। यह रणनीति समय-समय पर राज्यसभा में देखने को मिलती रहती है। इतना ही नहीं विपक्षी दलों ने लोकसभा और राज्यसभा के लिए अलग-अलग रणनीति बनाई है। साथ ही इन सबका एकमात्र मकसद केंद्र सरकार और नरेंद्र मोदी पर दबाव बनाना है।

साढ़े 8 करोड़ किसानों को पीएम मोदी की सौगात

» **17 हजार करोड़ रुपए जारी**

» **किसान तो मिट्टी में से भी सोना निकाल दे**

» **किसान सम्मान योजना की 14वीं किस्त जारी**

नई दिल्ली ,27 जुलाई 2023(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान सम्मान निधि की 14वीं किस्त जारी कर दी है। देश के करोड़ो किसान के खातों में 2000 रूपए सीधा पहुंच गए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के सीकर में आज एक सरकारी कार्यक्रम में किसानों के लिए लाभकारी इस स्कीम के तहत ये किस्त जारी की। डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर के जरिए देश के 8.5 करोड़ किसानों के खाते में 2000 रुपये सीधा उनके खाते में पहुंच गए हैं। इस 14वीं किस्त के जरिए किसानों को 17,000 करोड़ रुपये से ज्यादा ट्रांसफर किए गए हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आज की किसान सम्मान निधि की 14वीं किस्त को जोड़ दें तो अब तक 2.60 लाख करोड़ से भी ज्यादा रुपये किसानों के बैंक खातों में सीधे भेजे गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्या कहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज देश में किसानों की मुश्किलों को हल करने के लिए 1.25 लाख किसान समृद्धि केंद्रों को समर्पित किया जा रहा है। इनके जरिए खेती से जुड़ी हर जानकारी, हर योजना की सूचना, उसे लाभ आदि के जरिए बताया जाएगा। आज देश के करोड़ों किसानों को करीब 18,000 करोड़ रुपये की राशि पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत दी गई है जो सीधा उनके खाते में आ रही है।

ज्ञानवापी सर्वे पर रोक बरकरार

अब इस दिन आएगा फैसला

नई दिल्ली ,27 जुलाई 2023(ए)। ज्ञानवापी मामले में इलाहबाद हाईकोर्ट में आज गुरुवार (27 जुलाई) को हुई सुनवाई पूरी हो गई है, कोर्ट ने अपना जजमेंट रिजर्व किया है। इस मामले में अदालत 3 अगस्त को अपना फैसला सुनाएगी। मुस्लिम पक्ष भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सर्वे के खिलाफ है। उसका मानना है कि इससे ऐतिहासिक संरचना को नुकसान हो सकता है। मुस्लिम पक्ष के वकील फरमान नकवी ने हाईकोर्ट में एएसआई के हलफनामे का जवाब दाखिल कर दिया है। चीफ जस्टिस (सीजे) ने पूछा कि एएसआई की लीगल आइडेंटिटी क्या है?

निर्णय आने तक एएसआई के सर्वेक्षण पर लगी रोक बरकरार रहेगी, अब 3 अगस्त तक अंतरिम आदेश प्रभावी रहेगा। ज्ञानवापी मस्जिद का प्रबंधन करने वाली अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी ने एएसआई सर्वे के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी समिति की उस याचिका को बहाल किया, जिसका उसने मस्जिद परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के काम पर रोक लगाई थी। वाराणसी जिला अदालत ने 21 जुलाई को ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे का आदेश दिया था, जिसमें कोर्ट ने कहा था कि विवादित हिस्से को छोड़कर पूरे परिसर का सर्वे किया जाए।

इस पर कोर्ट को बताया गया है कि मॉन्यूमेंट संरक्षण के लिए 1871 में एएसआई गठित की गई, पुरातत्व अवशेष को मॉनिटर करती है। मुस्लिम पक्ष के वकील नकवी ने कहा कि निचली अदालत ने जिस मामले पर सुनवाई की थी, वह मुकदमा ही सुनवाई योग्य नहीं है और सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

वहीं, हिंदू पक्ष की ओर से कहा गया है कि मंदिर सीआईएसएफ की सुरक्षा में है। अटॉर्नी जनरल का कहना है कि हमारा काम कानून व्यवस्था बनाए रखने का है। कोर्ट ने हिंदू पक्ष से सवाल पूछा कि वाद तय करने में देरी क्यों हो रही है? कोर्ट के सवाल पर हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने जानकारी दी। मुस्लिम पक्ष के वकील सैयद फरमान अहमद नकवी ने कहा कि सिविल जज से केस जिला जज को सौंपा गया। बाहरी लोगों ने वाद दायर किया है। इस मामले में कुल 19 वाद वाराणसी में दायर किए गए हैं।

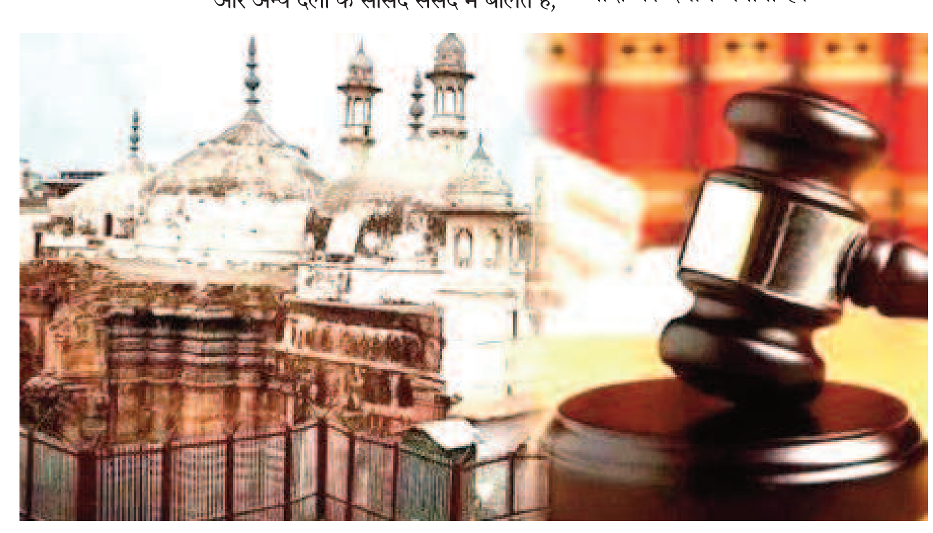

काले कपड़े पहने विपक्षी सांसदों को पीयूष गोयल का जवाब

मन काला और तन भी काला

नई दिल्ली ,27 जुलाई 2023 (ए)। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने भारत की विदेश नीति और उसके बढ़ते प्रभाव पर गुरूवार को राज्यसभा के समक्ष ताजा जानकारी रखी। हालांकि इस दौरान विपक्ष मणिपुर हिंसा पर चर्चा कराए जाने की मांग करता रहा। मणिपुर हिंसा पर चर्चा न कराए जाने से नाराज विपक्ष के सांसद अपना विरोध जताने के लिए गुरुवार को सदन में काले कपड़े पहन कर आए थे।

इस पर तंज करते हुए केंद्रीय मंत्री एवं राज्यसभा में नेता पियूष गोयल ने कहा कि इन लोगों का मन काला है और आज तन पर भी काला है। विदेश मंत्री एस जयशंकर के संबोधन के विषय में तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा संसद में विदेश मामलों पर 30 मिनट का अंतहीन बयान पढ़ते, पीएम नरेंद्र मोदी के मंत्री व सरकार की प्राथमिकताएं स्पष्ट हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए, मणिपुर की तकलीफों से ज्यादा महत्वपूर्ण है पर्यटन।

संसद में गुरुवार को विपक्ष के सांसद काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे। विपक्षी सांसदों के मुताबिक मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर अपना विरोध जताने के लिए उन्होंने यह निर्णय लिया है। दरअसल कांग्रेस समेत अधिकांश विपक्षी दलों की मांग है कि मणिपुर हिंसा मुद्दे पर राज्यसभा में नियम 267 के तहत विस्तार से चर्चा होनी चाहिए। विपक्षी दलों का कहना है कि प्रधानमंत्री मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर संसद में बयान दें और फिर उस बयान पर चर्चा कराई जाए।

नाबालिग से अप्राकृतिक यौनाचार के मामले में कर्नाटक के शिक्षक को आजीवन कारावास

दक्षिण कन्नड़ ,27 जुलाई 2023 (ए)। कर्नाटक की एक फास्ट ट्रैक अदालत ने नाबालिग छात्र के साथ अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने के आरोप में एक शिक्षक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

मंगलुरु फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट-1 की न्यायाधीश मंजुला इत्ती ने 33 वर्षीय आरोपी शिक्षक पृथ्वीराज को सजा सुनाई, जिसने 1 अगस्त 2014 से 2 सितंबर 2016 के बीच नाबालिग का यौन उत्पीड़न किया था।

न्यायाधीश ने उसे पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई और 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

कोर्ट ने पीड़ित को एक लाख रुपये मुआवजा देने का भी आदेश दिया।

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि पृथ्वीराज ने उक्त अवधि में उसे अप्राकृतिक यौन संबंध के लिए मजबूर किया था। इसके बाद सूरथकल पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

जांच में पता चला है कि आरोपी ने लड़के को घर आने के लिए मजबूर किया था और ऐसा न करने पर फेल करने की धमकी भी दी थी।

पृथ्वीराज ने लड़के को यह बात किसी को न बताने की चेतावनी दी।

संपादकीय

पीड़ा में भी पक्षपात

लोकतंत्र के मंदिर वे स्थान भी हैं, जहां निर्वाचित सरकारों की जवाबदेही तय की जाती है। और इसके लिए जो निर्धारित संसदीय प्रक्रियाएं हैं, उनका पालन हो यह सुनिश्चित करना संवैधानिक पदों पर आसीन शख्सियतों की ही जिम्मेदारी है। उप-राष्टपति जगदीप धनकड़ का यह कथन उचित है कि लोकतंत्र का अर्थ सार्वजनिक कल्याण को सुनिश्चित के मकसद से संवाद, चर्चा, विचार-विमर्श और बहस है। उनकी इस बात से भी किसी को असहमति नहीं होगी कि लोकतंत्र का मतलब व्यवधान और शोर-गुल नहीं हो सकता। उन्होंने इस बात पर रोष जताया कि व्यवधान और शोर-गुल को लोकतंत्र के मंदिरों को कलंकित करने का का हथियार बना लिया गया है। बहरहाल, जब राज्यसभा के सभापति ने यह बात छेड़ी है, तो इसमें यह भी अवश्य जोड़ा जाएगा कि लोकतंत्र के मंदिर वे स्थान भी हैं, जहां निर्वाचित सरकारों की जवाबदेही तय की जाती है। और इसके लिए जो निर्धारित संसदीय प्रक्रियाएं हैं, उनका पालन हो यह सुनिश्चित करना उन जैसे उच्च-पदस्थ शख्सियतों की ही जिम्मेदारी है। क्या इन दोनों बिंदुओं पर आज ये स्थान और वहां के संचालक खरे उतर रहे हैं? अगर मणिपुर जैसे गंभीर संकट पर सदनों में विपक्ष की मांग के मुताबिक चर्चा नहीं हो सकती है और प्रधानमंत्री को बयान देने के लिए पीठासीन अधिकारी निर्देश नहीं दे सकते हैं, तो इससे ही यह जाहिर हो जाता है कि संसद में किस तरह के संवाद, चर्चा, विचार-विमर्श और बहस की इजाजत दी जा रही है।

स्थायी ससंदीय समितियों में विधेयकों के परीक्षण की परिपाटी क्यों कमजोर हुई और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) का हाई प्रोफाइल ऑफिस आज क्यों कहीं हाशिये पर पड़ा नजर आता है, इसका उत्तर भी अगर उप-राष्टपति देते, तो जो चर्चा उन्होंने छेडी, वह समग्रता में नजर आती। इसके बिना उनका रोष एक तरह का पक्षपात नजर आता है। जहां तक व्यवधान और हंगामे को हथियार बनाने की बात है, तो इसमें कोई भी पार्टी अपने को साफ-सुथरी नहीं बता सकती। विकीलिक्स वेबसाइट पर भारत संबधी जो दस्तावेज छपे थे, उनमें इस बात का उल्लेख था कि कैसे तत्कालीन विपक्षी पार्टी- भाजपा की बैठकों में अपने प्रदेश इकाइयों के सियासी तकाजों के मुताबिक संसद में व्यवधान डालने की रणनीतियां बनाई गईं। अपेक्षा रहती है कि संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्ति दलगत सोच से ऊपर उठ कर राष्ट को निष्पक्षता से संबोधित करेंगे। उप-राष्टपति से भी ऐसी ही अपेक्षा है।

जीवन अमूल्य है,निराशा और चिंता को जीवन में स्थान न दें

आशावादी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़े

निराशा और चिंता मनुष्य के जीवन की प्रगति के बड़े बाधक हैं निराशा को तत्काल विचारों से अलग करें और चिंता को अपने मस्तिष्क में ना आने दे अन्यथा अत्यधिक चिंता व्यक्ति को चिता तक ले जाने में देर नहीं करती है अतः सकारात्मक सोच के साथ नवीन संकल्प और दृढ़ निश्चय रखकर जीवन के पथ में अग्रसर हो हों मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सके कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता है निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा,हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है

मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिए इसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती हैद्य और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है ऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम, मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम, खुसरो, गांधी, नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है ।आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता है अन्यथा उस राष्ट को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता।

संजीव ठाकुर
चौबे कालोनी
रायपुर
छत्तीसगढ़

नीली चिड़िया उड़ गई-एक्स की स्थापना हो गई

वैश्विक स्तरपर सैकड़ों कंपनियों डिजिटल और मीडिया प्लेटफॉर्मों व सेवाओं के अलग-अलग ब्रांड व लोगो होते हैं, जिनका नाम ही काफी है। उपभोक्ताओं या यूजर्स उसके नाम से ही उत्पाद या सेवाएं खरीदना चाहते हैं चाहे वह कितनी भी महंगी क्यों ना हो,इतना ही नहीं जब अगर कोई अपना ब्रांड बेचना चाहता है तो उसकी वैश्विक नेशनल या इंटरनेशनल प्रसिद्धि को देखते हुए करोड़ों अरबों में डील होती है जिसमें, मेडिसिन से लेकर खाद्य पदार्थों और वस्त्रों से लेकर सोशल मीडिया ब्रांडो लोगो को शामिल कियाजाता है जिसके उदाहरण में हजारों नाम गिना सकते हैं परंतु यह हकीकत है कि इन ब्रांडों को प्रसिद्धि के मुकाम तक पहुंचाने में एड़ी चोटी का जोर लगता है, जिसे बौद्धिक क्षमता जांबाजी ज़ज्बे मेहनत धैर्य से पूरा किया जा सकता है परंतु उसमें भी महत्वपूर्ण बात उस जमे हुए ब्रांड को बदलना अभी बहुत रिस्की और जोखिम भरा काम है जो भारत में कूट-कूट कर भरा है, इसीलिए ही भारतीय बौद्धिक क्षमता का उदाहरण पूरी दुनियां में दिया जाता है।वैश्विक स्तरपर भारतीय बौद्धिक कौशलता और बौद्धिक क्षमता का डंका दुनिया में बज़ता है यह सर्वविदित है। परंतु बड़े बुजुर्गों का कहना है कि मानवीय जीवन समाप्त हो जाता है परंतु सीखना समाप्त नहीं होता इसलिए हमें इस भ्रम और अंधकार में नहीं रहना चाहिए कि हमारी कौशलता और बौद्धिक क्षमता दुनिया से हटकर और विशेष उपयोगी है।यह बात हम इसलिए कह रहे हैं कि रविवार देर रात दुनियां के सबसे अमीर आदमी एलेन मस्क ने ट्विटर का लोगो चिड़िया से बदलकर एक्स करने की ओर इशारा एक ट्वीट से दिया और चिड़िया मुक्त होने की राह पर है। वह व्यक्तित्व अनमोल गुणवत्ता का धनी, परिवर्तनकारी सोचअसफलताओं के बीच सफलता ढूंढने का गुण सहित अनेक कलाओं वाला व्यक्तित्व है स्वभाविक ही है कि ऐसा व्यक्तित्व दुनिया का सबसे अमीर आदमी बन सकता है, इसीलिए जरूरत है हमें हर उस सफल व्यक्ति के गुणों को सीखने की जो हमारे जीवन में सफलताएं ला सकता सकते हैं इसीलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से आओ निरंतर नवाचार और सीखने की आदत डालें तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में आई जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से सोशल मीडिया के प्रमुख प्लेटफार्म की पहचान नीली चिड़िया उठाकर एक्स लोगो की पहचान शीघ्र दिखेगी।

साथियों बात अगर हम ट्विटर लोगो को नीली चिड़िया से एक्स करने की करें तो एक ट्विटर स्पेस में कंफर्म किया है कि वह जल्द ही ट्विटर का लोगो नीली चिड़िया से बदलकर एक्स किया जाएगा। इसके अलावा एक पोल किया है,इसमें यूजर्स से पूछा है कि क्या प्लेटफॉर्म का डिफॉल्ट कलर ब्लू से बदलकर ब्लैक या व्हाइट कर दिया जाए। आठ लाख से ज्यदा लोग अभी तक इस पोल में हिस्सा ले चुके हैं। अभी तक 74.8 फीसदी लोगों ने हां में जवाब दिया है।एलन मस्क का लेटर एक्स के साथ 24 साल पुराना नाता है। वर्ष 1999 में उन्होंने ऑनलाइन बैंकिंग कंपनी एक्स.कॉम की स्थापना की थी। बाद में उन्होंने इस कंपनी का पे पाल के साथ अधिग्रहण कर लिया था। साल 2017 में उन्होंने पे पाल की वेबसाइट के यूआरएल एक्स.कॉम को एक बार फिर खरीदा था। उन्होंने तब ट्वीट कर बताया था कि वह इस डोमेन के साथ इमोशनली बेहद कनेक्टेड हैं। बता दें कि इससे पहले उन्होंने अपने डॉग को ट्विटर का लोगो बना दिया था। बाद में दोबारा पुराना लोगो बहाल कर दिया था। ट्विटर का यह अब तक का सबसे बड़ा बदलाव कहा जा सकता है। हालांकि उन्होंने जब से ट्विटर की कमानसंभाली है, तब से लेकर अब तक इस प्लेटफॉर्म में कई बादलाव हो चुके हैं. बताते चलें कि ट्विटर अब एक स्वंतत्र कंपनी नहीं है, क्योंकि इसको एक्स क्रॉप के साथ मिला दिया है, उन्होंने ट्वीट कर बताया कि जल्द ही ट्विटर ब्रांड के लोगो यानी पक्षियों को अलविदा कहेंगे। अगर आज रात एक अच्छा एक्स लोगो पोस्ट किया जाता है, तो हम कल इसे दुनिया भर में लाइव कर देंगे। अब ट्विटर के लोगो से ब्लू कलर वाली चिड़िया रिमूव की जा सकती है, दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के बॉस ने रविवार को एक ट्वीट करके इंफॉर्मेशन दी कि ट्विटरप्लेटफॉर्म पर यह लोगो कई साल से इस्तेमाल किया जा रहा है और यह इसकी पहचान बन चुका था।

साथियों बात अगर हम एक्स लोगो की कहानी की करें तो बता दें कि एलन मस्क की ज्यादातर कंपनियों के नाम या लोगो में एक्स शामिल रहा है.। उन्होंने अपनी स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कॉरपोरेशन कंपनी स्पेसएक्स के नाम पर एक्स नाम भी रखा है, इसी तरह एक्स को भी उनकी हालिया कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी एक्सएआई में शामिल किया गया है, ऐसे में उनके हालिया ट्वीट से पता चल रहा है कि वह ट्विटर के लोगो और नाम में भी एक्स शामिल कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम कलर ब्लू से ब्लैक या वाइट करने और पॉलिसी चेंज करने की करें तो, उन्होंने ट्विटर पर एक पोल क्रिएट कर लिखा, डिफॉल्ट प्लेटफॉर्म कलर को ब्लैक में बदलें। 4.50 लाख से ज्यादा लोग इस पोल में वोट कर चुके हैं। ज्यादातर लोगों ने अभी तक ब्लैक और व्हाइट में से ब्लैक को चुना है। कल दुनियां भर में लाइव होगा नया ट्विटर लोगो, मस्क ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें ट्विटर का लोगो एक्स में बदलते हुए दिखाई दे रहा हैइसके साथ ही उन्होंने लिखा,यदि आज रात एक अच्छा एक्स लोगो पोस्ट किया जाता है, तो हम कल इसे दुनिया भर में लाइव कर देंगे। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में लिखा-जल्द ही हम ट्विटर ब्रांड और धीरे-धीरे सभी पक्षियों को अलविदा कह देंगे।

साथियों बात अगर हम ट्विटर में सबसे बड़े तीन बदलावों की करें तो, ट्विटर सीईओ बनने के बाद उनके 3 बड़े फैसले इस प्रकार है। पिछले साल 27 अक्टूबर 2022 को 44 बिलियन डॉलर में ट्विटर खरीदा था। जब उन्होंने ट्विटर की कमान संभाली थी तो उसमे करीब 7500 एम्प्लॉई थे, लेकिन अब 2500 के करीब ही बचे हैं। (2) कई ब्लॉक अकाउंट को अन-ब्लॉक किया नवंबर 2022 में उन्होंने अमेरिका के पूर्व राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई ब्लॉक अकाउंट को अनब्लॉक कर दिया था। भारत में वेब यूजर्स के लिए ब्लू सब्सक्रिप्शन कॉस्ट 650 रुपए है। वहीं इसकी एनुअल कॉस्ट 6,800 रुपए है। मोबाइल के लिए सब्सक्रिप्शन चार्ज 900 रुपए महीना है। इसमें ब्लू टिक, लंबे वीडियो पोस्ट समेत कई सारे फीचर्स मिलते हैं। उन्होंने साल 2022 में ट्विटर का अधिग्रहण किया। तभी से वह इस माइक्रो ब्लॉगिंग साइट में कई बदलाव कर चुके हैं।पहल कई ब्लॉक अकाउंट को दोबारा शुरू किया गया। अब वे ट्विटर का लोगो नीली चिड़िया से बदलकर एक्स करने वाले हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नीली चिड़िया उड़ गई - एक्स की स्थापना हो गई। नीली चिड़िया उड़ा कर डागी नहीं एक्स मिलेगा।सोशल मीडिया के प्रमुख प्लेटफार्म की पहचान नीली चिड़िया उड़ाकर एक्स लोगो की पहचान शीघ्र दिखेगी।

एडवोकेट
किशन
सनमुखदास
भावनानी
गोंदिया महाराष्ट

झुमका गिरा रे,बरेली के बाजार में : पर किस तरह और क्यों

लगभग हर शादीशुदा पुरुष को यह अनुभव होगा। सपरिवार शादी में जाना है। हमेशा की तरह पति तैयार हो कर दरवाजे पर खड़ा है। पत्नी अभी ड्रेसिंग रूम में है। पति जल्दी आओ... जल्दी आओ कह कर राह देख रहा है, पर पत्नी जल्दी आती नहीं। थक कर और चिढ़ कर पति अंदर जाता है। अंदर पत्नी फर्श झाड़ रही है, कारपेट उठा कर देख रही है, टेबल के पीछे देखती है, बेड के नीचे नजर दौड़ाती है। उसका छोटा सा इयरिंग कहीं गिर गया है। पति का सिकुड़ा माथा देख कर पत्नी खीझती है, इसी तरह खड़े रहोगे या इयरिंग खोजवाओगे? फर्जपरस्त पति भी फर्श खंगालने लगता है।

भारत शायद एकमात्र ऐसा देश होना चाहिए, जहां हर घर में महिलाओं के इयरिंग खोने की घटनाएं नियमित घटती रहती हैं। क्योंकि मात्र भारतीय महिलाएं ही छोटे से छोटा इयरिंग पहनती हैं।

क्या इसीलिए कवि और लेखक राजा मेहंदी अली खान ने मेरा साया (1966) फिल्म में ब्लॉकबस्टर गाना झुमका गिरा रे, बरेली के बाजार में... लिखा था? फर्श हो या बाजार, क्या फर्क पड़ता है? झुमका तो कहीं भी गिर सकता है। पर बरेली में गिरे, इसका कोई विशेष कारण? कानपुर या लखनऊ में क्यों नहीं गिरा?

राज खोसला की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म मेरा साया में आशा भोसले की आवाज में यह गाना इतना अधिक लोकप्रिय हुआ था कि बहुत लोग यह मानने लगे थे कि बरेली (जिला रायसेन, मध्य प्रदेश) में झुमका बनाने का गृह उद्योग है। यहां तक कि 2020 में बरेली की जनता ने नगर के प्रशेश द्वार पर सोने का विशाल झुमका रखने का निर्णय ले लिया था। एक हद तक साधना का झुमका लोकप्रिय हो गया था।

फिल्म में साधना की दो भूमिकाएं थीं, गीता और रैना उर्फ निशा। इसमें गीता अच्छी लड़की थी और निशा बदमाश।झुमका गाना निशा के हिस्से में था, इसलिए यह आशा भोसले की आवाज में गाया गया था। जबकि तीन गाने अच्छी लड़की के हिस्से में थे, इसलिए वे लताजी की आवाज में रेकार्ड कराए गए थे। उस जमाने में आशाजी की आवाज वेम्प अथवा खलनायिकाओं की आवाज मानी जाती थी। इसलिए उन्हें अच्छे गाने नहीं मिलते थे।

इससे संगीतकार मदन मोहन भी बचे नहीं थे। उनके संगीत बद्ध किए मेरा साया के सभी गाने बहुत सुंदर थे (मोहम्मद रफी की आवाज में आप के पहलू में... और लताजी की आवाज में तू जहां जहां चलेगा, मेरा साया भी साथ होगा, नैनो में बदरा छाए और नैनो वाली ने)। पर झुमका गिरा ने... गाने को हिंदी सिनेमा प्रशंसकों ने सिरमाथे पर लिया था। 1968 में बिनाका गीतमाला में यह गाना चौथे स्थान पर था। मदन मोहन और आशाजी का यह गाना उस साल सब से बड़ा चार्टबस्टर था।

इस गाने को ले कर तमाम मान्यताएं हैं। एक प्रचलित (पर गलत) बात ऐसी है कि (अमिताभ बच्चन की) मां तेजी बच्चन का इयरिंग बरेली में खो गया था और हरिवंश राय बच्चन ने यह गाना लिखा था। एक वाकया यह भी है कि बरेली में एक झुमका नाम का सिपाही था और आजादी की लड़ाई में वह अंग्रेजों के हाथों मारा गया था। कुछ लोग इसे लोकगीत मानते हैं। कुछ लोग इसे चोर-लुटेरों की गैंग के वाकए के साथ जोड़ते हैं।

दूसरी बात थोड़ी-बहुत तार्किक लगती है। कल्चरल स्टडीज इन इंडिया नाम की किताब के लेखक राणा यह संकेत देते हैं कि लूटपाट कर के गुजारा करने वाले कुछ आदिवासी समूह गांव वालों का मनोरंजन कर के उनका ध्यान भटका कर उनके घरों से माल खिसका देते थे। झुमका गिरा रे... का संबंध ऐसी आपराधिक प्रवृत्ति के साथ था। इसीलिए इसमें बरेली के बाजार का उल्लेख है। क्योंकि इस तरह के तमाशे गांव की गलियों या चौराहे पर आयोजित होते हैं।

हकीकत में फिल्म में जिस पर यह गाना फिल्माया गया है, वह निशा एक डाकू गिरोह की सदस्य है और वह डाकू सरदार सूर्यवर सिंह (प्रेम चोपड़ा) के साथ उसकी रंगरलियां का हिसाब एक महफिल में मुजरा कर के देती है। इसमें ढोल बजाने वाला हर अंतरा पर पूछता है फिर क्या हुआ? और निशा उसका जवाब देती है। यह आवाज क्रिकेट कमेंटेटर विनोद शर्मा की है। मदन मोहश और शर्मा दोस्त थे। कहा जाता है कि आशा भोसले को भी पता नहीं था फिर क्या हुआ? पूछने वाली आवाज किस की है। जैसे किः

घर की छत पे मैं खड़ी, गली में दिलबर जानी
हंस के बोले नीचे आ, अब नीचे आ दीवानी
या अंगूठी दे अपनी या छल्ला दे निशानी
घर की छत पे खड़ी-खड़ी मैं हुई शरम से पानी
हाय हुई शरम से पानी...
फिर क्या हुआ?
दैया।
फिर झुमका गिरा रे, हम दोनों के इस प्यार में

यह गाना वास्तव में इससे भी पुराना है। 1947 में देबोजी नाम की एक फिल्म आई थी। उसमें शमशाद बेगम की आवाज में झुमका गिरा रे... गाना था। जबकि उसमें सास, ननद, जेठ, जेठानी और सैंया की घरेलू बातें थीं। उसमें गीतकार के रूप में वली साहब का नाम लिखा था। वह लिखते हैंः

सास मेरी रोए, ननद मेरी रोए
सैंया मेरा रोए, गले में बैंया डाल के
है झुमका गिरा रे, मोरा झुमका गिरा रे
बरेली के बाजार में...
सैंया ढूंढ़े रे, सैंया ढूढे रे
नैनो में नैना डाल के
है झुमका गिरा रे, मोरा झुमका गिरा रे
बरेली के बाजार में...

वीरेंद्र बहादुर सिंह
नोएडा
उत्तरप्रदेश

भाजपा की गठबंधन राजनीति के मायने

भारतीय जनता पार्टी ने एनडीए के 25 साल पूरे होने पर इसको पुनर्जीवित किया तो यह देश के राजनीतिक विमर्श का सबसे प्रमुख मुद्दा बन गया। बनना भी चाहिए क्योंकि पिछले नौ साल से भाजपा जिस तरह की एकाधिकारवादी राजनीति कर रही है उसमें उसका गठबंधन की ओर बढ़ना और प्रधानमंत्री का यह कहना कि उनका गठबंधन एक सुंदर इंद्रधनुष है, जिसमें कोई भी पार्टी छोटी या बड़ी नहीं है, बहुत सुखद संकेत है। कई लोग इसे सुखद संकेत नहीं मानेंगे क्योंकि गठबंधन की सरकारों के बारे में ऐसी धारणा बना दी गई है कि उनके होने से राजनीतिक व प्रशासनिक अस्थिरता को बढ़ावा मिलता है। यह धारणा भी बनाई गई है कि केंद्र में मजबूत सरकार से न सिर्फ स्थिरता आती है, बल्कि बाह्य और आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित होती है। यह एक गढ़ा हुआ विमर्श है, जिसे तथ्यों के आधार पर प्रमाणित नहीं किया जा सकता है। हकीकत यह है कि इस देश में गठबंधन की सरकारों ने विकास के ज्यादा काम किए हैं और गरीबों व वंचितों के लिए बेहतर योजनाएं बनाई हैं। उन्होंने लोकतंत्र को ज्यादा मजबूती भी दी है। लेकिन वह अलग विमर्श का विषय हो सकता है। फिलहाल चर्चा एनडीए को पुनर्जीवित करने की है।

भाजपा ने जब से 38 पार्टियों को जुटाया है तब से इसे लेकर कुछ राजनीतिक निष्कर्ष निकाले जा रहे है, जिसमें से कुछ सही हैं और कुछ तथ्यात्मक रूप से सही होते हुई भी पूर्वाग्रह से ग्रस्त हैं। जैसे यह कहा जा रहा है कि एनडीए की बैठक में शामिल हुई 10 पार्टियों ने पिछला लोकसभा चुनाव ही नहीं लडा था। कुल 38 पार्टियों में से 24 का एक भी लोकसभा सांसद नहीं है। आठ पार्टियां ऐसी हैं, जिन्होंने सिर्फ नौ लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी। ये सारी बातें तथ्यात्मक रूप से सही हैं लेकिन इसके आधार पर जो निष्कर्ष निकाला जा रहा है वह पूर्वाग्रह से भरा है और राजनीतिक रूप से गलत है। इस बात को समझने की जरूरत है कि भाजपा सिर्फ इसलिए घटक दलों को नहीं जुटा रही है कि वह कमजोर हो गई है। यह उसका एक राजनीतिक दांव भी है। क्योंकि भाजपा 2014 और 2019 की तरह अगले चुनाव को लेकर बहुत भरोसे में नहीं है। केंद्र में 10 साल तक राज करने वाली किसी भी पार्टी को लगातार तीसरा चुनाव आसानी से जीत जाने के भरोसे में रहना भी नहीं चाहिए। यह भी सही है कि भाजपा ने जो पहल की है उससे निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ईर्द-गिर्द बनाया जा रहा नैरेटिव कमजोर होगा और भाजपा अपना एक एडवांटेज गंवाएगी। लेकिन इससे उसको दूसरा फायदा हो सकता है।

सबसे बड़ा फायदा भारतीय राजनीति को होगा कि खुद भाजपा अपनी पहल से अपनी एकाधिकारवादी राजनीति को कमजोर करेगी। याद करें 2019 के लोकसभा चुनाव में बिहार में कैसे हुआ था। तब भाजपा बिहार में 23 लोकसभा सीटों की पार्टी थी लेकिन उसने जनता दल यू से समझौता किया और सिर्फ 17 सीटों पर लड़ी। इसकी वजह से भाजपा की छह सीटें कम हो गई और सिर्फ दो लोकसभा सीटों वाली नीतीश कुमार की पार्टी 16 सीटों पर जीत गई। आज नीतीश कुमार की राष्ट्रीय राजनीति मुख्य रूप से उन्हीं 16 लोकसभा सीटों की वजह से है। महाराष्ट में शिव सेना की 18 और उत्तर प्रदेश में अपना दल की दो सीटें भाजपा की वजह से ही हैं। अगले चुनाव में अगर भाजपा 38 या उससे ज्यादा पार्टियों के साथ गठबंधन बनाती है तो संभव है कि कुछ राज्यों में भाजपा की सीटें कम हो जाएं और उसकी कीमत पर कुछ प्रादेशिक पार्टियां मजबूत हों। इससे भाजपा की एकाधिकारवादी राजनीति कमजोर होगी और राष्ट्रीय राजनीति में विविधता बढ़ेगी। भाजपा अगर सचमुच गठबंधन की राजनीति करती है और सहयोगी पार्टियों को उनकी क्षमता के मुताबिक जगह देती है तो यह देश के लिए अच्छी बात होगी। इस राजनीति का भाजपा को एक फायदा यह हो सकता है कि वह अपनी वैचारिकता को राजनीति की मुख्यधारा बनाने में कामयाब हो सकती है। ध्यान रहे कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियां आरोप लगाती हैं कि भाजपा विभाजनकारी राजनीति कर रही है, समुदायों के बीच वैमनस्य फैलाती है और उससे वोट की फसल पकाती है। लेकिन अगर भाजपा की इस राजनीति के साथ देश की 40 पार्टियां जुड़ती हैं तो क्या यह अपने आप साबित नहीं होगा कि वह जिस विचारधारा को अपना कर चल रही है उसकी वजह से वह अछूत नहीं हुई है? क्या इससे उसकी राजनीतिक विचारधारा को व्यापक स्वीकार्यता नहीं मिलेगी? ध्यान रहे दुनिया में आज भी सबसे ज्यादा नफरत की नजर से देखी जानी वाली विचारधारा फासीवाद है और भारत की विपक्षी पार्टियां भाजपा को इसी विचारधारा की पार्टी बताती हैं। लेकिन अब अगर देश के अलग अलग हिस्सों की और अलग अलग जातीय, सामाजिक आधार वाली पार्टियां उसके साथ जुड़ती हैं तो निश्चित रूप से भाजपा पर लगने वाला फासीवाद का आरोप कमजोर होगा। ध्यान रहे भाजपा के साथ जा रहीं कई पार्टियां पहले कांग्रेस और अन्य भाजपा विरोधी पार्टियों के साथ रही हैं। भाजपा की ओर से छोटी छोटी प्रादेशिक पार्टियों को महत्व देने और एनडीए में उनको जगह देने से भारतीय समाज में छोटी छोटी और बिल्कुल अनजानी अस्मिताएं जन्म ले रही हैं। इस बात को ऐसे कह सकते हैं कि छोटी छोटी सामाजिक अस्मिताओं को बड़ी राजनीतिक पहचान मिल रही है और उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा को स्पेस मिल रहा है। भाजपा की सक्रिय मदद से भारतीय राजनीति में नए प्रादेशिक क्षत्रप उभर रहे है या मजबूत हो रहे हैं। ओमप्रकाश राजभर, संजय निषाद, अनुप्रिया पटेल, जीतन राम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा, चिराग पासवान, रामदास अठावले आदि का चेहरा सिर्फ एक व्यक्ति का चेहरा नहीं है, बल्कि ये किसी खास जातीय समुदाय की अस्मिता के प्रतिनिधि हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इनके राजनीतिक रूप से मजबूत होने से सोशल स्पेस में डिवीजन बढ़ेगा लेकिन कई बार छोटी सामाजिक अस्मिताओं का मजबूत होना समरस समाज बनाने के लिए जरूरी होता है। हालांकि यह नहीं कहा जा सकता है कि भाजपा कोई समरस समाज बनाने के लिए ऐसा कर रही है लेकिन राजनीतिक मजबूरी में किए जा रहे काम से अगर समाज में किसी सुधार की संभावना जन्म लेती है तो उसमें कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

भाजपा की इस राजनीति की वजह से विपक्षी गठबंधन के सामने चुनौतियां बढ़ गई हैं। पहले तो उनको इस नैरेटिव का जवाब देना है कि भाजपा को उनसे ज्यादा पार्टियों का समर्थन हासिल है और भाजपा का राजनीतिक इंद्रधनुष ज्यादा रंगों वाला है। इसके अलावा विपक्षी पार्टियों को राज्यों में अपने गठबंधन को और मजबूत करना होगा क्योंकि भाजपा अपने कोर वोट आधार में जो नए वोट जोड़ने के प्रयास कर रही है उसको रोके बगैर या उसके बिखरे बगैर विपक्ष का मकसद पूरा नहीं होगा। मिसाल के तौर पर बिहार में भाजपा अगर चार नेताओं के जरिए कुशवाहा, पासवान, मांझी और मल्लाह वोट जोड़ने का प्रयास कर रही है तो विपक्ष इसे कैसे रोक सकता है? गैर यादव और गैर कुर्मी पिछड़ी जातियां और दलित अगर भाजपा के सवर्ण व वैश्य मतदाताओं के साथ जाते हैं तो विपक्ष के पास क्या रास्ता बचेगा? जो लोग बिहार की राजनीति को जानते हैं उनको पता है कि राज्य में दलित अस्मिता का प्रतिनिधित्व करने वाले दो सबसे बड़े चेहरे चिराग पासवान और जीतन राम मांझी के हैं। इसी तरह गैर यादव व गैर कुर्मी जातियों में कोईरी और मल्लाह का प्रतिनिधित्व उपेंद्र कुशवाहा और मुकेश सहनी करते हैं। अगर ये चारों चेहरे भाजपा के साथ जाते हैं तो नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के लिए मुश्किल होगी। भाजपा ने एनडीए को पुनर्जीवित करके और 38 पार्टियों को जोड़ कर हर राज्य में विपक्ष के सामने ऐसी ही चुनौती खड़ी की है। इससे पार पाने कि लिए विपक्ष को बहुत ज्यादा मेहनत करनी होगी।

अजीत द्विवेदी

जीवन की सच्चाई

विषधर तो बदनाम हैं,
जग में यूँ ही राम।
मानव मुख से हो रहे,
विषधर जैसे काम।।
गिरगिट से भी तेज तो,
छले यहाँ इंसान।
हैरत में देखो पड़े,
यहाँ स्वयं भगवान।।
हर कर्मों का है मिले,
यहाँ देख परिणाम।
नेक कर्म तू कर सदा,
उसमें चारों धाम।।
सुख की होती है यहाँ,
सबके दिल में चाह।
अश्रु नहीं दे दीन को,
छिपी उसी में आह।।
नव आशाएं ले सुनो,
आती है नव भोर।
कोशिश करना तू सदा,
करे जीत फिर शोर।।

पूनम शर्मा स्नेहिल
जमशेदपुर
झारखंड

सावन के मजा

लग गे हावय सावन महिना,
गिरय झमाझम पानी।
उल्होवय डारा पाना हा,
लहर-लहर लहराये।
किसम-किसम के फुलवा फूले,
महर-महर ममहाये।
किरा-मकोरा झींगा मिलके,
करे अबड़ मनमानी।।
घूमे फिरे ल मनखे जावय,
पिकनिक खूब मनाये।
दुःख दरद ला भूल सबोझन,
फोटू बने खिचाये।।
खुशी-खुशी ले चेहरा खिले,
गुरतुर निकले बानी।।
सरग बरोबर लागे भुइयाँ,
जम्मों देव समाये।
बाबा भोले नाथ ह संगी,
गंगा धार बहाये।
बरसत पानी मा खुश हो के,
मनखे करे किसानी।।
पाँव पखारँय ये धरती के,
गाथा जम्मों गाये।
जनम धरे हे ये माटी मा,
माथा अपन नवाये।
छत्तीसगढ़ी हमर राज्य के,
सुग्घर हवय कहानी।।

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम
गरियाबंद
छत्तीसगढ़

मूरख की बस्ती

मूरख की इस बस्ती में
मूरख की ही हस्ती है
मूरख यहाँ दिनमान है
हर घर का ये मेहमान है
मूरख की इस बस्ती में
मूरख की बड़ी मस्ती है
मुरख यहाँ बलवान है
मूरख का ही सम्मान है
मूरख की इस बस्ती में
मूरखों के पास कश्ती है
मूरखों का ये जहान है
मूरख यहाँ ही महान है
मूरख की इस बस्ती में
पढ़ा लिखा भी सस्ती है
मूरखों की पहचान है
मूरखों का ही मान है
मूरख की इस बस्ती में
मूरख की ही चलती है
मुरखें यहाँ विद्वान है
खुद की इनकी दुकान है

उदय किशोर साह
जयपुर जिला
बांका बिहार

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

निजी अस्पताल में इलाज के दौरान किशोरी की मौत

परिजन ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगा मचाया हंगामा, चिकित्सकों व स्टाफ के साथ मारपीट करने पर हो गए उतारू

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 जुलाई 2023
(घटती घटना)

अंबिकापुर. शहर के निजी एकता अस्पताल में एक किशोरी की मौत इलाज के दौरान हो गई। किशोरी की मौत के बाद परिजन ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। घटना से परिजन काफी आक्रोशित थे। आक्रोशित परिजन ने अस्पताल प्रबंधन, चिकित्सकों व स्टाफ के साथ मारपीट करने पर उतारू हो गए। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने मामले को शांत कराया। वहीं अस्पताल के डॉक्टर का कहना है कि इलाज में कहीं लापरवाही नहीं हुई है। बच्ची काफी कमजोर थी।

जानकारी के अनुसार वैष्णवी कश्यप पिता संतोष केहरी बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर की रहने वाली थी। इसका तबियत पिछले कुछ दिनों से खराब था। परिजन वाड्रफनगर में ही उसका इलाज करा रहे थे। तबियत में सुधार नहीं होने पर उसे इलाज के लिए अंबिकापुर स्थित एकता अस्पताल में बुधवार की दोपहर लाए थे। यहां जांच में किशोरी के शरीर में हेमोग्लोबिन 4.7 पाया गया। चिकित्सकों ने बच्ची को भर्ती करने की सलाह दी। चिकित्सकों के कहने पर परिजन उसे अस्पताल में भर्ती कराया था। किशोरी का इलाज डॉ. ज्योति कुजूर व डॉ. अमित यादव के निगरानी में चल रहा था। किशोरी के शरीर में होमोग्लोबिन की मात्रा कम होने के कारण चिकित्सकों ने उसे ब्लड चढ़ाने की बात कही। चिकित्सकों के कहने पर परिजन बाहर के ब्लड बैंक से एबी पॉजेटिव ब्लड व्यवस्था कर चिकित्सकों को चढ़ाने के लिए दिया। पर युवती को तेज बुखार होने के कारण शाम को उसे ब्लड नहीं चढ़ाया गया। इसके बाद बुखर कम होने पर किशोरी को ब्लड चढ़ाया जा रहा था। गुरुवार की सुबह किशोरी को नश्ता कराया गया। नश्ता करते ही किशोरी को पेट दर्द होने लगी। परिजन ने चिकित्सकों को इसकी जानकारी थी। चिकित्सकों द्वारा उसे कुछ दावा दिया गया। इसके बाद किशोरी उल्टी करने लगी। उल्टी करते ही किशोरी की स्थिति विगड़ गई। चिकित्सक उसे आईसीयू में भर्ती कराया पर उसकी मौत सुबह 10.15 बजे हो गई।

परिजन ने लगाया इलाज में लापरवाही का आरोप

इधर किशोरी की मौत की घटना से परिजन आक्रोशित हो गए। परिजन का कहना था कि किशोरी को मामूली बुखार की शिकायत थी। अचानक उसकी मौत कैसे हो सकती थी। परिजन ने चिकित्सकों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल में जमकर हंगामा किया। आक्रोशित परिजन ने अस्पताल प्रबंधन, चिकित्सकों व स्टाफ के साथ मारपीट करने पर उतारू हो गए। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने मामले को शांत कराया।

चिकित्सकों ने बताया उल्टी के दौरान फेंफड़े में चली गई थी अंश

घटना के संबंध में एकता अस्पताल के डॉक्टर ज्योति कुजूर ने बताया कि इलाज के कोई लापरवाही नहीं हुई है। किशोरी काफी कमजोर थी और उसे कुछ दिनों से बुखार आ रहा था। उसका इलाज वाड्रफनगर में चल रहा था। बुधवार की दोपहर मेरे अस्पताल में इलाज के लिए आए थे। उसका हेमोग्लोबिन मात्र 4.7 था। ब्लड चढ़ाया जा रहा था। गुरुवार की सुबह नाश्ता करने के बाद किशोरी को पेट दर्द व उल्टी होने लगी। परिजन द्वारा जानकारी मिलने पर उसे दवाइयां दी गई और स्थिति विगडने पर आईसीयू में भर्ती कराया गया। पर उल्टी के दौरान कुछ अंश फेफड़े में चले जाने से उसकी मौत हो गई।

मातमी जुलूस के दौरान अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन नहीं करने का दिया गया निर्देश

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 जुलाई 2023
(घटती घटना)

जिले में मोहर्रम जुलूस के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था एवं शांतिपूर्ण तरीके से सामाजिक सौहार्द्र बनाए रखते हुए मातमी जुलुस निकालने एवं अन्य व्यवस्था के सम्बन्ध में गुरुवार को पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला द्वारा मोहर्रम इन्तेजामिया कमेटी के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों की बैठक ली। आयोजित कर विभिन्न सुरक्षा सम्बन्धी दिशा निर्देश दिए गए। कमेटी को निर्धारित समय के अनुसार कार्यक्रम करने जुलूस समय पर निकालने, आलम की ऊंचाई अधिक ना करने, और आलम में हरे बांस का प्रयोग नहीं करने एवं छोटे बच्चों से घातक करतब या ज्वलनशील पदार्थ का प्रयोग नहीं करने हेतु कमेटियों को निर्देशित किया गया है। जुलूस के दौरान किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र प्रदर्शन नहीं करने के साथ -साथ ध्वनि विस्तारक यंत्रों के सिमित प्रयोग के संबंध में भी निर्देश जारी किए गए एवं उपस्थिति सभी कमेटियों द्वारा उक्त निर्देशों के संबंध में सहमति जाहिर की गई एवं मोहर्रम का जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित करने हेतु समझाईस दी गई। बैठक में सरगुजा पुलिस के अधिकारी समेत आयोजन समिति के सभी कमेटियों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी शामिल रहे।

राष्ट्रीय स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए तीन खिलाड़ियों का चयन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 जुलाई 2023
(घटती घटना)

राष्टीय स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता लखनऊ में 28 से 30 जुलाई तक आयोजित किया गया है। इस प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए अंबिकापुर के तीन खिलाडियों का चयन किया गया है। जिसमें शौर्यवर्धन सिंह, अनुराग पार्थो दास, सुजल ध्रव का नाम शामिल है। यह सभी खिलाड़ी उपमुख्यमंत्री और ताइक्वांडो संघ के प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात की। इस अवसर पर ताइक्वोंडो संघ के जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र प्रताप सिंह, राघवेन्द्र प्रताप सिंह और कोच गन्नू खत्री उपस्तिथ थे।

जिला कांग्रेस कार्यालय भवन में चोरी,जांच में जुटी पुलिस

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 जुलाई 2023
(घटती घटना)

घर व दुकानों में चोरी करने के बाद चोर अब पार्टी कार्यालय को अपना निशाना बना रहे हैं। शहर के घड़ी चौक के समीप जिला कांग्रेस कार्यालय राजीवन भवन में चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चारों ने कार्यालय के अंदर घुसकर किसान का ताता तोडक़र सामान पार कर दिया। बताया जा रहा है कि चोरों ने बाथरूम के रोशनदार से कांग्रेस भवन में प्रवेश कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। जिला कांग्रेस कमेटी ने मामले की शिकायत कोतवाली में की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उडऩदस्ता टीम की मनमानी से जिला परिवहन अधिकारी की हो रही किरकिरी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 जुलाई 2023
(घटती घटना)

परिवहन आयुक्त के अधीन कार्यरत उडऩदस्ता टीम व स्थानीय जिला परिवहन विभाग में आपसी तालमेल का अभाव देखने को मिल रहा है। उडऩदस्ता टीम की कारगुजारियों के आगे जिला परिवहन अधिकारी (आरटीओ) व उनके अधीनस्थों की किरकिरी हो रही है। जिला परिवहन अधिकारी सीएल देवांगन ने गुरूवार को अपने कार्यालय में चर्चा के दौरान पत्रकारों को बताया कि बतौर आरटीओ वे कार्यालयीन काम-काज देखते हैं। सडक़ पर कार्रवाई परिवहन विभाग के उडऩदस्ता दल द्वारा किया जाता है, जो परिवहन आयुक्त रायपुर के अधीन है। उनके समक्ष ऐसी शिकायत सामने आई है कि उडऩदस्ता टीम द्वारा अपनी जिम्मेदारियों का सही तरीके से निर्वहन नहीं किया जा रहा है। विभाग के अधिकारियों की मॉनिटरिंग में भी इनका कार्य संतोषजनक देखने को नहीं मिल रहा है। परिवहन आयुक्त रायपुर के दिशा-निर्देश में की जाने वाली कार्रवाई को लेकर आए दिन उंगली उठती है, जबकि इनकी कार्रवाई से उनका कोई लेना-देना नहीं रहता है। उन्होंने कहा कि उडऩदस्ता प्रभारी से चर्चा करके वे सामने आ रही शिकायतों के लिए आवश्यक पहल करेंगे। बात नहीं बनी तो वरिष्ठ अधिकारियों को तत्स बन्ध में जानकारी दी जाएगी, ताकि लोगों को संतुष्टि मिले। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा परिवहन विभाग का उडऩदस्ता टीम प्रक्रिया के तहत कार्रवाई करता है। रही बात वसूली की तो फिलहाल ऐसी शिकायत उन तक नहीं पहुंची है। इस दौरान विभाग के टीआई अनुपम पटेल भी उपस्थित थे।

बिना बीमा,परमिट के दौड़ रहीं बसें

परिवहन विभाग के उडऩदस्ता दल द्वारा बसों के फिटनेस की ओर कितना ध्यान दिया जा रहा है, इसका अंदाजा बिना बीमा के दौड़ती बसों व छोटी वाहनों से लगाया जा सकता है। कार्रवाईयों के अनियमित संचालन से ऐसी स्थिति बनती है। परिवहन विभाग ने कुछ दिन पहले एक ऐसी बस को जब्त किया है, जो बिना परमिट के संचालित हो रही थी। आरटीओ सीएल देवांगन ने बताया कि उनके द्वारा बिना परमिट व बीमा के यात्री बसों, स्कूल बसों का संचालन ना हो, इसके लिए सर्त निर्देश दिए हैं। छत्तीसगढ़ के परमिट पर अंतर्राज्यीय बसों के संचालन पर उन्होंने कहा इसमें अन्य राज्यों के परिवहन विभाग को कार्रवाई करनी चाहिए। छत्तीसगढ़ में बस संचालन का परमिट होने के कारण वे इन पर कार्रवाई नहीं कर सकते।

पूरे प्रदेश में भूपेश सरकार के खिलाफ माहौल-नितिन नवीन

कोर कमेटी की बैठक में तीनों विधानसभा क्षेत्र जीतने की बनी रणनीति

-संवाददाता-
सूरजपुर,27 जुलाई 2023
(घटती घटना)

भाजपा द्वारा चुनावी तैयारियों के मद्देनजर सर्किट हाउस सूरजपुर में प्रदेश सहप्रभारी नितिन नवीन ने जिला भाजपा समन्वय समिति व प्रेमनगर ,भटगांव व प्रतापपुर विधानसभा के कोर कमेटियों की बैठक लेकर जवाबदेही सौपी। लगभग दिन भर चले मैराथन बैठक मे तीनो विधानसभा क्षेत्रों के लिए व्यापक रणनीति तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई।प्रदेश सहप्रभारी नितिन नवीन ने पूर्व पदाधिकारी व वरिष्ठ भाजपा नेताओं की बैठक लेकर उनसे चुनाव मे उनके व्यापक राजनीतिक अनुभवों व परिश्रम से पार्टी प्रत्याशी के जीत मे अहम भूमिका निभाने का आग्रह किया।प्रदेश सह प्रभारी नितिन नवीन ने कोर कमेटी के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे प्रदेश मे कांग्रेस के भ्रष्ट भूपेश सरकार के खिलाफ माहौल है।आज प्रदेश के युवा, महिला, कर्मचारी अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरे हुए हैं ।कांग्रेस सरकार के पांच साल पूरे होने को है ऐसे में कांग्रेस का जनघोषणा पत्र झूठ का पुलिंदा साबित हो गया है आज प्रदेश का हर वर्ग अपने को ठगा महशूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं एकजुट होकर कार्य करें प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने वाली है।बैठक में जनसरोकार से जुड़े स्थानीय मुद्दों को लेकर व्यापक आंदोलन की रणनीति बनी है तथा सभी पदाधिकारियों को अलग अलग जवाबदारी सौपी गई है।किसान मोर्चा के नेतृत्व में आगामी अगस्त महीने मे किसानों को दबावपूर्वक घटिया वर्मीकम्पोस्ट दिए जाने को लेकर कलेक्ट्रेट घेराव किया जाएगा।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछ्ले नौ वर्षों मे समाज के हर वर्ग के विकास व कल्याण का काम किया है। केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ से पिछ्ले वर्षों के तुलना चार गुना से ज्यादा धान खरीकर किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत करने का काम किया है।केन्द्र सरकार ने देश की 12 जनजातियां जो मात्रात्मक त्रुटि के कारण अपने अधिकारों से वंचित थी उन्हें अजजा वर्ग मे सम्मिलित करने का बड़ा ऐतिहासिक निर्णय लिया है ।बैठक को संभागीय प्रभारी संजय श्रीवास्तव, जिला प्रभारी राजा पांडेय,भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूलाल ने भी संबोधित किया।इस अवसर पर पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा,रजनी त्रिपाठी, परमेश्वरी राजवाड़े, अखिलेश सोनी, भीमसेन अग्रवाल,ओमप्रकाश जायसवाल, संजय अग्रवाल, अजय गोयल, रामकृपाल साहू,रामेश्वर पाण्डेय, प्रबोध मिंज, गौरीशंकर अग्रवाल, मोहन सिंह, चरण सिंह अग्रवाल, बनारसी जायसवाल ,राजेश अग्रवाल, मुरली सोनी सहित जिला समन्वयक समिति व तीनो विधानसभा क्षेत्रों के कोर कमेटी सदस्य मौजूद रहे।

ट्रैक्टर से घायल ग्रामीण की इलाज के दौरान मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 27 जुलाई 2023 (घटती घटना)

ट्रैक्टर की टक्कर से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मुनिया पैकरा पिता भुरवलाल उम्र 45 वर्ष बलरामपुर जिले के बहराटोली खजूरीयाडीह का रहने वाला था। वह 21 जुलाई को भाई के घर बनारस गया था। शाम को वापस लौट रहा था। रास्ते में नवाडीह थानां चांदो मेन रोड में नावाडीह के राजेन्द्र जायवाल के ट्रैक्टर चालक नीरज जायसवाल ने टक्कर मार दिया। दुर्घटना में मुनिया गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए बलारामपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 25 जुलाई को उसे बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

उपमुख्यमंत्री की समृद्धि के लिए भाजयुमो ने किया यज्ञ

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 27 जुलाई 2023
(घटती घटना)

शहर में हो रही पेयजल की समस्या को लेकर अंबिकापुर के नगर विधायक एवं उपमुख्यमंत्री की समृद्धि के लिए भारतीय जनता युवमा मोर्चा ने यज्ञ किया। इस अवसर पर भाजयुमो के कार्यकर्ताओं ने नगर विधायक उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार के 4 साल 8 महीने पूरे हो गए हैं, लेकिन नगर विधायक द्वारा सरगुजा एवं अंबिकापुर विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए आज तक कोई विकास की उपलब्धि तो दूर की बात है क्षेत्र के विकास के लिए एक बैठक भी नहीं की गई। वह केवल अपने मंत्री और विधायक के कार्यकाल में मुख्यमंत्री बनने की होड़ में लड़ते रहे और कांग्रेस पार्टी को ब्लैकमेल किया। हमेशा अंबिकापुर विधानसभा की जनता को भ्रमित रखा, बस विधायक का एक ही सपना था किसी प्रकार का मुख्यमंत्री बन जाए ,वह मुख्यमंत्री नहीं बन पाए परंतु चुनाव के समय उन्हें उपमुख्यमंत्री बनने का जो झुनझुना कांग्रेस के आलाकमान द्वारा पकड़ा दिया गया है। उसके बाद वाह एक्टिव हो गए और शहर में जो पेयजल की समस्या है, लोगों के घर में एक टाइम भी ठीक ढंग से पानी नहीं आ रहा है। कांग्रेस की सरकार में नल जल मिशन योजना फेल हो चुकी है। नगर विधायक टीएस सिंह देव कहीं ना कहीं अंबिकापुर विधानसभा की जनता के साथ उनके भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं इसलिए भगवान उन्हें समृद्धि प्रदान करें। भाजयुमो ने ऐसी कामना करते हुए पूरी विधि विधान यज्ञ में हवन किया। कार्यक्रम को विकास पांडेय, मधुसूदन शुक्ला अंकित जयसवाल, विश्व विजय सिंह तोमर, संजीव वर्मा, अंशु श्रीवास्तव, अभिषेक प्रताप सिंह, शानूकश्यप, वीर सोनी, निशांत गुप्ता, रवि सोनी, मोंटी यादव, आशीष अग्रवाल ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन विकास गुप्ता ने किया। इस अवसर पर सर्वेश तिवारी, अमोक कश्यप, शरद सिन्हा, रवि कांत उरांव, मार्कंडेय तिवारी, रोचक गुप्ता, चंदन शुक्ला, अनुराग शुक्ला, श्रीधर केसरी, विवेक सिंह, सिकरवार अमित पांडे, अभिमन्यु श्रीवास्तव, रिशु अंबस्ट, रजनीश सिंह, राहुल मंडल, विष्णु पांडे, अंश गोस्वामी, अंशुल अग्रहरी , राहुल गईन, राजा सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

CMYK

विपक्षी दलों के बारे में रिपोर्टिंग करने पर पत्रकार को सजा

तल्लिन। विपक्षी दलों के बारे में रिपोर्टिंग के आरोप में बेलारूस के मशहूर पत्रकार को छह साल की जेल की सजा सुनाई गई है। विपक्षी दलों से संबंधित व्यक्तियों, स्वतंत्र पत्रकारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के खिलाफ एक साल से जारी मुहिम में यह हालिया घटना है। पश्चिम बेलारूस में ग्रोडनो शहर में सुनवाई के दौरान पैवेल माजिका (45) पर विपक्षी राजनीतिक दल की गतिविधियों की कवरेज के लिए 'चरमपंथी गतिविधि में संलिप्तता' का आरोप लगा है। माजिका पर 'बेलसैट टीवी' सहित समाचार आउटलेट के लिए काम करने का आरोप है। 'बेलसैट टीवी' के द्वारा बेलारूस में प्रसारण होता है,लेकिन उसका आधार पोलैंड में है। बेलारूस के अधिकारियों ने 'बेलसैट' को 'चरमपंथी' घोषित किया हुआ है। वकील यूलिया युरहिलविच (42) को भी बेलारूस के राजनीतिक कैदियों, विशेष रूप से असंतुष्ट कलाकार एलेस पुश्किन के बारे में माजिका को जानकारी देने का आरोप में छह साल की सजा हुई थी। पुश्किन की बेलारूसी जेल में इस माह की शुरुआत में मौत हो गई थी। युरहिलविच 18 साल से वकालत कर रही हैं, और वे मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के लिए लड़ती हैं। माजिका ने कहा, यह कोई मुकदमा नहीं है, बल्कि बेतुकेपन का रंगमंच है, सूचना प्रसारित करने के लिए एक पत्रकार और एक वकील पर मुकदमा चलाया जा रहा है। माजिका बेलारूस की एक जानी-मानी हस्ती हैं। 2006 में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार एलेक्जेंडर मिलिनकेविच का प्रेस सचिव बनने से पहले 2002 में उन्हें 'राष्ट्रपति की निंदा करने' के आरोप में दो साल जेल की सजा सुनाई गई थी। माजिका ने बेलारूस और पोलैंड दोनों में प्रमुख स्वतंत्र समाचार आउटलेट के लिए काम किया है, कई कार्यक्रमों की मेजबानी की है और 'बेलसैट टीवी' के कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्य किया।

रूसी रक्षा मंत्री से किम जोंग उन ने की मुलाकात

सियोल। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने सैन्य मुद्दों और क्षेत्रीय सुरक्षा माहौल पर चर्चा के लिए रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु से मुलाकात की। सरकारी मीडिया ने बताया कि देश 1950-53 के युद्धविराम की 70वीं वर्षगांठ मना रहा है। सरकारी मीडिया ने बताया कि किम और शोइगु की मुलाकात बुधवार को राजधानी प्योंगयांग में हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने 'राष्ट्रीय रक्षा तथा क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के माहौल को लेकर आपसी चिंता के मामलों' पर सहमति व्यक्त की। हालांकि, रिपोर्ट में नहीं बताया गया कि दोनों ने क्या चर्चा की। बताया जा रहा हैं किम शोइगु को एक हथियार प्रदर्शनी में भी ले गए, जहां उत्तर कोरिया के कुछ नए हथियारों को रखा गया था। किम ने शोइगु को देश की सैन्य क्षमताओं का विस्तार करने की राष्ट्रीय योजनाओं के बारे में जानकारी दी। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि शोइगु ने उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्री कांग सुन नाम के साथ भी बातचीत की, जिसका उद्देश्य 'दोनों देशों के रक्षा विभागों के बीच सहयोग को मजबूत करना' था।

ब्रिटेन में भारतीयों से प्रताड़ित होने का अभिनय करने की सलाह दे रहे वकील : रिपोर्ट

लंदन। ब्रिटेन में आव्रजन वकील व ?लाइंट्स को बता रहे हैं कि ब्रिटेन में रहने का अधिकार हासिल करने के लिए अधिकारियों से कैसे झूठ बोला जाए और इसके लिए 10 हजार पाउंड वसूल रहे हैं। 1983 में श्रीलंका से ब्रिटेन आए एक वकील वी.पी. लिंगजोथी ने एक अंडरकवर मेल रिपोर्टर से ब्रिटेन में शरण पाने के लिए यह दिखावा करने के लिए कहा कि वह एक खालिस्तानी समर्थक है उसके साथ भारत में दुर्व्यवहार किया गया और उसे प्रताड़ित किया गया। अंडरकवर रिपोर्टर ने खुद को पंजाब के एक किसान के रूप में पेश किया, जो हाल ही में ब्रिटेन पहुंचा है। एक खबर के मुता?बिक आप कह सकते हैं कि भारत सरकार ने आप पर खालिस्तानी समर्थक होने का आरोप लगाया, आपको हिरासत में लिया गया, गिरफ्तार किया गया और आपके साथ दुर्व्यवहार किया गया, प्रताड़ित किया गया, यौन उत्पीड़न किया गया। इसीलिए आप शादी नहीं कर सके और आप निराश थे, आप आत्महत्या करना चाहते थे। इसलिए भाग कर ब्रिटेन पहुंचे। वकील ने इस कहानी के लिए उससे 10 हजार पाउंड की मांग की। एक रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कहानी का समर्थन करने के लिए एक डॉक्टर की रिपोर्ट देने का भी वादा किया और मनोवैज्ञानिक आघात के सबूत के रूप में गृह मंत्रालय को दिखाने वाली अवसाद रोधी दवाएं भी पेश कीं। एक अन्य फर्म में, जहां अंडरकवर रिपोर्टर गया था, वकील ने कहा कि उसे यह दिखाने के लिए साक्ष्य बनाना होगा कि प्रवासी को घर लौटने पर उत्पीड़न और हत्या का डर है।एक अन्य वकील ने कहा कि वह इसका इस्तेमाल यह दिखाने के लिए करेंगे कि अंडरकवर रिपोर्टर को भारत में अपनी जान का खतरा है, इसमें सरकार विरोधी राजनीतिक निष्ठा, गलत जाति के किसी व्यक्ति के साथ प्रेम संबंध या समलैंगिक होना जैसे कारण शामिल होंगे।

ब्रिटेन के जिम स्की बने आईपीसीसी के नए अध्यक्ष

लंदन। ब्रिटेन के जिम स्की जलवायु परिवर्तन विज्ञान का आकलन करने वाली संयुक्त राष्ट्र संस्था इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) के नए अध्यक्ष बनाए गए हैं। आईपीसीसी ने एक बयान में कहा कि स्की को थेल्मा क्रुग के मुकाबले में 69 के मुकाबले 90 वोटों से चुना गया। स्की ने आईपीसीसी चुनावों में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों को अपने संबोधन में कहा कि जलवायु परिवर्तन हमारे ग्रह के अस्तित्व के लिए खतरा है। मेरी आकांक्षा एक ऐसे आईपीसीसी का नेतृत्व करने की है, जो वास्तव में प्रतिनिधि और समावेशी हो, एक आईपीसीसी जो वर्तमान में हमारे पास मौजूद अवसरों का दोहन करते हुए भविष्य की ओर देख रहा हो। एक आईपीसीसी जहां हर कोई महसूस करता है कि उसे महत्व दिया जाता है और उसकी बात सुनी जाती है। इसमें मैं तीन प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाऊंगा- समावेशिता और विविधता में सुधार, आईपीसीसी मूल्यांकन रिपोर्ट की वैज्ञानिक अखंडता और नीति प्रासंगिकता की रक्षा करना, और जलवायु परिवर्तन पर सर्वोत्तम उपलब्ध विज्ञान का प्रभावी उपयोग करना। आईपीसीसी के अध्यक्ष के रूप में मेरे कार्य सुनिश्चित करेंगे कि ये आकांक्षाएं साकार हों। चुनाव केन्या के नैरोबी में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के मुख्यालय में हुआ, जहां आईपीसीसी अपना 59वां सत्र आयोजित कर रहा है।

यूक्रेनी सुरक्षा सेवा ने पिछले बार क्रीमिया पुल पर हमले की बात स्वीकारी

कीव। पहली बार यूक्रेन की सुरक्षा सेवा (एसबीयू) ने पिछले साल 22 अक्टूबर को केर्च ब्रिज पर हुए हमले में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है, जो कब्जे वाले क्रीमिया प्रायद्वीप को रूसी मुख्य भूमि से जोड़ता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल ही में यहां एक समारोह में सुरक्षा सेवा के प्रमुख वासिल माल्युक के हवाले से कहा ?कि क्रीमियन पुल का विनाश हमारी उपलब्धियों में से एक है। एसबीयू अधिकारी दुश्मन को नष्ट कर रहे हैं और अपनी भूमि को मुक्त कराने के लिए सब कुछ कर रहे हैं। एसबीयू प्रमुख की यह टिप्पणी उप रक्षा मंत्री हन्ना मलियार के इस महीने की शुरुआत में देश की सेना द्वारा पुल को उड़ाने का संकेत देने के बाद आई है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने 24 फरवरी, 2022 को रूस द्वारा आक्रमण शुरू करने के बाद से 12 यूक्रेनी उपलब्धियों को सूचीबद्ध किया था और कहा था कि 273 दिन पहले, हमने रूसी रसद को बाधित करने के लिए क्रीमिया पुल पर पहला हमला किया था। हालांकि, यूक्रेनी सरकार ने आधिकारिक तौर पर हमले का दावा नहीं किया है। यूक्रेनी अधिकारियों ने अक्टूबर 2022 में हुए विस्फोट का जश्न मनाया लेकिन जिम्मेदारी का स्पष्ट दावा नहीं किया था। 17 जुलाई को, पुल पर फिर से दो हमले हुए, इसके लिए एक यूक्रेनी सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि कीव जिम्मेदार है।

प्योंगयांग में एक कार्यक्रम में बच्चों से मिलते हुए उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन।

अल्पसंख्यक तमिलों के मामले में राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने बुलाई बैठक

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि द्वीपीय देश में अल्पसंख्यक तमिलों के जातीय मेल-मिलाप के जटिल मुद्दे पर आम सहमति बनाने के लिए सभी राजनीतिक दलों को चर्चा में भाग लेना चाहिए क्योंकि संविधान के 13वें संशोधन (13ए) का पूर्ण क्रियान्वयन पूरे देश के लिए अहम है। विक्रमसिंघे मुद्दे पर चर्चा करने के लिए आयोजित सर्वदलीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारत की यात्रा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ चर्चा करने के बाद यह बैठक बुलाई। राष्ट्रपति द्वारा बैठक सरकार के राष्ट्रीय सुलह कार्यक्रम और इसकी आगे की राह पर चर्चा के लिए बुलाई गई। दिल्ली यात्रा से पहले, विक्रमसिंघे ने तमिल पार्टियों के साथ बैठक में सर्वदलीय सहमति के साथ श्रीलंकाई संविधान के 13वें संशोधन (13ए) को प्रांतों को पुलिस शक्ति दिए बिना पूर्ण रूप से लागू करने पर सहमति जाहिर की थी। मुख्य तमिल पार्टी 'टीएनए' और मुख्य विपक्षी दल समागी जन बलवेगया (एसजेबी) सहित ज्यादातर विपक्षी दलों ने बैठक में हिस्सा लिया। कुछ दलों ने बैठक को विक्रमसिंघे की राजनीतिक नौटंकी बताया था। राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने कहा कि 13(ए) का पूर्ण क्रियान्वयन पूरे देश के लिए अहम है इसलिए सभी राजनीतिक दलों को वार्ता में भाग लेना चाहिए। सर्वदलीय बैठक में हिस्सा लेने के मामले में ऐसा प्रतीत होता है कि श्रीलंका का विपक्ष बंटा हुआ है। राष्ट्रीय सुलह पर सर्वदलीय बैठक में भाग लेने के लिए संसद में प्रतिनिधित्व करने वाले सभी राजनीतिक दलों और स्वतंत्र समूहों के नेताओं को निमंत्रण दिया गया, इनमें से कुछ विपक्षी नेताओं ने दावा किया है कि इस बैठक के एजेंडे के बारे में उन्हें जानकारी नहीं है।

नाटो के दरवाजे पर रूस क्यों तैनात कर रहा परमाणु हथियार? पुतिन के कर दिया ऐलान

कीव (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन युद्ध की आग और भड़क सकती है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की माने तो अपने पड़ोस बेलारूस में परमाणु हथियार भेज दिए हैं। पुतिन का एटमी हथियार यूक्रेन के करीब और नाटो के दरवाजे पर दस्तक देता नजर आ रहा है। अपने पड़ोसी और वफादार सहयोगी के क्षेत्र में रूसी हथियारों की घोषित तैनाती यूक्रेन पर आक्रमण को लेकर क्रेमलिन की परमाणु एक्शन की एक झलक के साथ ही पश्चिम को कीव को सैन्य समर्थन बढ़ाने से हतोत्साहित करने की एक और कोशिश है। न तो पुतिन और न ही उनके बेलारूसी समकक्ष अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने बताया कि कितने हथियारों को स्थानांतरित किया गया। केवल यह कि देश में सोवियत-युग की सुविधाएं उन्हें समायोजित करने के लिए तैयार की गई थीं और बेलारूसी पायलटों और मिसाइल क्रू को उनका उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित है। जबकि कुछ विशेषज्ञ पुतिन और लुकाशेंको के दावों पर संदेह करते हैं, दूसरों का कहना है कि पश्चिमी खुफिया ऐसे कदमों की निगरानी करने में असमर्थ हो सकते हैं।

इस महीने की शुरुआत में सीएनएन ने अमेरिकी खुफिया अधिकारियों के हवाले से कहा कि उनके पास बेलारूस को हथियारों की पहली खेप की डिलीवरी के बारे में पुतिन के दावे पर संदेह करने का कोई कारण नहीं है और कहा कि अमेरिका के लिए उन्हें ट्रैक करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। बम, मिसाइलों और तोपखाने के गोले पर उपयोग किया जाता है, इन्हें ट्रक या विमान पर सावधानी से ले जाया जा सकता है। मिन्स्क स्थित एक स्वतंत्र सैन्य विश्लेषक अलियाक्सांद्र एलेसिन ने कहा कि हथियारों में ऐसे कंटेनरों का उपयोग किया जाता है जो कोई विकिरण उत्सर्जित नहीं करते हैं और पश्चिमी खुफिया जानकारी के बिना इसे बेलारूस में उड़ाया जा सकता था।

चीन के बाद अब अमेरिका के मीट बाजार से खतरनाक महामारी आने की चेतावनी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। चीन से कोविड19 महामारी आने के आद अब अमेरिका के मीट बाजार से खतरनाक महामारी आने की चेतावनी दी जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमेरिका में आई एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगली वैश्विक महामारी अमेरिका से आ सकती है। हार्वर्ड लॉ स्कूल और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट में इंसान, जानवरों और जंगली जानवर के आपसी संपर्क की जांच के बाद कई खतरनाक बातें कही गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अफ्रीका और एशिया के कुछ देशों में कई बीमारियां जानवरों की वजह से फैली हैं जिसमें एचआईवी/एड्स, इबोला, जीका, फ्लू और कोविड-19 शामिल हैं। इन जेनेटिक बीमारियों के लिए अक्सर गंदगी, संसाधनों में कमी या फिर उन जगहों पर असुरक्षित तरीकों को दोषी ठहराया जाता है। मगर अब अमेरिका की वजह से भी लोगों को खतरनाक बीमारियां मिल सकती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कई अमेरिकी अक्सर सोचते हैं कि उनके देश में ऐसा नहीं हो सकता है। लेकिन इस देश में नियम इतने कमजोर हैं कि कोई एक वायरस या दूसरी कोई संक्रामक बीमारी आसानी से अमेरिका में जानवरों से लोगों तक पहुंच सकती है जो कि महामारी में तब्दील हो सकती है।

रिपोर्ट को तैयार करने वालों में से एक एन लिंडर ने कहा कि वास्तव में सुरक्षा की यह झूठी भावना और निराधार विश्वास है कि जेनेटिक रोग कुछ ऐसा है जो बाकी जगहों पर है और अमेरिका में नहीं हो सकता। जबकि, मुझे लगता है कि हम कई मायनों में पहले से कहीं ज्यादा असुरक्षित हैं। रिपोर्ट में जोखिम के कई बिंदुओं पर भी बात की गई है जिसमें कमर्शियल फार्म सबसे ऊपर हैं। यह वह जगह है जहां पर लाखों जानवर एक-दूसरे और उनके संचालकों के निकट संपर्क में आते हैं। इस वजह से जंगली जानवरों से कोई इनफेक्शन आसानी से इनमें आ सकता है।

टोक्यो में कभी नहीं आ सकता बाढ़, दिल्ली इससे क्या सीख सकती है?

(एजेंसी)। जुलाई की शुरुआत में अभूतपूर्व मूसलाधार बारिश ने दिल्ली शहर को ठप कर दिया, समस्या इतनी गंभीर हो गई कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को समस्या के समाधान के लिए अधिकारियों की रविवार की छुट्टी रद्द करनी पड़ी। अत्यधिक बारिश के कारण होने वाली एक बार की घटना के बजाय भारी बारिश के दौरान जलभराव आम बात हो गई है। थोड़े ही समय में दिल्ली में दो चरम स्थितियां देखी गईं, गर्मियों के दौरान पानी की कमी और मानसून के दौरान अत्यधिक पानी, जिससे ठीक से निपटा नहीं जा सका। महीने के शुरुआती हिस्से में होने वाली बारिश को 153 मिमी (आईएमडी डेटा) की ऐतिहासिक 24 घंटे की बारिश के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

जुलाई के लिए सामान्य औसत वर्षा केवल 209.7 मिमी है। हालाँकि, जुलाई में वर्षा पिछले तीन वर्षों में सामान्य से अधिक हो गई है, जो क्रमशः 2020, 2021 और 2022 के दौरान 236.9 मिमी, 507.1 मिमी, 286.3 मिमी दर्ज की गई है। यह स्पष्ट रूप से ऐतिहासिक वर्षा की घटनाओं की प्रवृत्ति को दर्शाता है जो जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ गई है। तो फिर दिल्ली हर साल क्यों डूबती है जबकि जलवायु संबंधी अनिश्चितताएँ जगजाहिर हैं? इसका उत्तर बहुआयामी है और इसे किसी एक समस्या की ओर प्लाइंट आउट करके नहीं समझा जा सकता है।

खराब जल निकासी अवसंरचना: दिल्ली-एनसीआर टोक्यो के बाद दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला शहरी समूह (यूए) है। फिर भी राजधानी में एक पुराना जल निकासी मास्टरप्लान है जो 1976 का है जब शहर की आबादी सिर्फ 50 लाख थी, जो तब से चार गुना बढ़ गई है। हालाँकि आईआईटी दिल्ली ने 2018 में ड्रेनेज मास्टरप्लान प्रस्तुत किया था, लेकिन इसे 2021 में दिल्ली सरकार द्वारा अत्यधिक सामान्य प्रकृति के कारण स्थगित कर दिया गया था। दिल्ली में तीन प्रमुख प्राकृतिक नाले हैं, अर्थात् ट्रांस-यमुना, बारापुला और नजफगढ़। इन नालियों का उद्देश्य बारिश के दौरान अतिरिक्त पानी ले जाने और भूजल को रिचार्ज करने में मदद करने के लिए स्ट्रॉर्म वॉटर नेटवर्क के रूप में कार्य करना था। नालियों के किनारे कचरे का ढेर, सीवेज और अपशिष्टों का अवैध निर्वहन और कचरे से जाम होना भी इन समस्याओं को बढ़ाता है, जिससे जल निकासी नेटवर्क एक बदबूदार 'नाला' बन जाता है।

नीजर में तख्तापलट...राष्ट्रपति बजौम को पत्नी सहित बंधक बनाया

-देश में सेना का शासन शुरु

नियामी (एजेंसी)। अफ्रीकी देश नीजर में सैनिकों ने राष्ट्रीय टीवी पर तख्तापलट की घोषणा कर दी है। इसमें कहा गया कि राष्ट्रपति गार्ड के प्रमुख के साथ बातचीत रुकने के बाद राष्ट्रपति मोहम्मद बजौम को पत्नी के साथ उनके आवास पर बंधक बना लिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक टीवी घोषणा में, कर्नल मेजर अमादौ अब्द्रमाने ने कहा हम, रक्षा और सुरक्षा बलों ने... उस शासन को समाप्त करने का फैसला किया है जिसे आप जानते हैं। यह सुरक्षा में लगातार गिरावट और खराब आर्थिक और सामाजिक शासन के चलते करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने संविधान को भंग कर दिया है, सभी संस्थानों को निलंबित कर देश की सीमाओं को सील कर दिया है। साथ ही कहा कि मंत्रालयों के प्रमुख रोजाना के कामकाज देखने वाले हैं। कर्नल मेजर अब्द्रमाने ने कहा, सभी साझेदारों से हस्तक्षेप न करने के लिए कहा गया है...स्थिति ठीक होने तक हवाई सीमाएं बंद रहेंगी। उन्होंने कहा कि रात 10 बजे से सुबह 5 बजे तक रात का कर्फ्यू लगाया गया है, अगली सूचना तक। उन्होंने कहा कि सैनिक नेशनल काउंसिल फॉर द सेफगार्ड ऑफ द होमलैंड (सीएनएसपी) के लिए काम कर रहे हैं।

इस बीच, नीजर के राष्ट्रपति परिसर को फिलहाल सील कर दिया गया है। देश के आंतरिक मंत्री हमादौ सौले को भी राष्ट्रपति गार्ड द्वारा गिरफ्तार कर बजौम के साथ रखा गया है। बाद में सैकड़ों प्रदर्शनकारी बजौम के समर्थन में नियामी में एकत्र हुए। रिपोर्ट के अनुसार, जब प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति भवन से लगभग 300 मीटर दूर थे, तब राष्ट्रपति गार्डों ने उनके आगे बढ़ने से रोकने के लिए फायरिंग की। प्रदर्शनकारियों की संख्या 400 के आसपास आंकी गई है। कुछ के हाथ में बजौम की तस्वीरें और तख्तियां थीं जिन पर लिखा था-गणतंत्र की संस्थाएं अस्थिर करने के लिए नहीं हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक सैनिकों की टीवी पर घोषणा के बाद, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने राष्ट्रपति बज़ौम की रिहाई का आह्वान किया। उन्होंने न्यूज़ीलैंड में कहा कि यह स्पष्ट रूप से बलपूर्वक सत्ता पर कब्जा करने और संविधान को बाधित करने का प्रयास है। इस स्थिति की व्यापक निंदा हुई है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अपने प्रवक्ता द्वारा जारी एक बयान में तख्तापलट के प्रयास की कड़ी निंदा की। बयान के अनुसार, महासचिव नीजर की स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। वह बलपूर्वक सत्ता पर कब्जा करने और देश में लोकतांत्रिक शासन, शांति और स्थिरता को कमजोर करने के किसी भी प्रयास की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने इसमें शामिल सभी पक्षों से संयम बरतने और संवैधानिक व्यवस्था की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र नीजर की सरकार और लोगों के साथ खड़ा है।

यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख जोसेप बोरेल ने लोकतंत्र को अस्थिर करने और नीजर की स्थिरता को खतरे में डालने के किसी भी प्रयास की निंदा की। उधर फ्रांसीसी विदेश मंत्री ने कहा कि वह स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने कहा कि वे नीजर की लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार के कामकाज को बाधित करने के किसी भी प्रयास की कड़ी निंदा करते हैं।

रहस्यमय ग्रह निबिरू की धरती से होगी टक्कर तो महाप्रलय निश्चित आएगा

-वैज्ञानिकों और भौतिकविदों के बीच चल रहा विवाद, ज्यादातर ने घटना को नकारा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। एक रहस्यमय ग्रह निबिरू की धरती से जोरदार टक्कर होगी और महाप्रलय हो जाएगा। यह चर्चा इन दिनों वैज्ञानिकों और भौतिकविदों के बीच जोर पकड़ रही है। हालांकि ज्यादातर ने इसे पूरी तरह से नकार दिया है। गौरतलब है कि प्लैनेट एक्स के नाम से जाना जाने वाला रहस्यमय खगोलपिंड कई वर्षों से प्रलय के सिद्धांत देने वालों और वैज्ञानिकों के बीच विवाद का विषय रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बात की बेहद कम संभावना है कि यह ग्रह पृथ्वी से टकरा जाए। निबिरू को प्रलय के रूप में संदर्भित किए जाने वाले एक महाविनाश की भविष्यवाणी कुछ लोग करते हैं। इसमें एक विशाल रहस्यमय ग्रह पृथ्वी से टकराता है, जिससे सर्वनाश हो जाता है। हालांकि कई लोग इस रहस्यमय प्लैनेट एक्स के अस्तित्व को ही पूरी तरह से नकारते हैं। लेकिन एक भौतिक विज्ञानी का कहना है कि इस तरह की टक्कर को पूरी तरह खारिज करना उचित नहीं होगा। हालांकि 1995 में इसे प्रस्तावित किया गया था। सभी वैज्ञानिकों का आम तौर पर यही मत है कि ऐसी कोई विनाशकारी मुठभेड़ नहीं होने वाली है। इसमें नील डेग्रेस टायसन सहित वह विशेषज्ञ भी हैं जो प्लैनेट एक्स के अस्तित्व को खारिज करते हैं।

हालांकि इसे 9वें ग्रह के रूप में भी जाना जाता है। जानकार बताते हैं कि निबिरू का उल्लेख प्राचीन सुमेरियन मिट्टी की पट्टियों पर किया गया है। किंवदंती के मुताबिक यह शुरुआती सौर मंडल से टकराया और फिर से गायब होने से पहले एस्टेरॉयड बेल्ट और पृथ्वी का निर्माण किया। इस मामले में एस्टन यूनिवर्सिटी में विज्ञान के विजिटिंग भौतिकी प्रोफेसर रॉबर्ट मैथ्यूज ने 2018 में निबिरू से जुड़े भय का संक्षिप्त लेकिन स्पष्ट विश्लेषण किया था। उन्होंने कहा कि यह सच है कि सौर मंडल से दूर विफल तारे छिपे हुए हैं, जिन्हें भूरे रंग के बौने के रूप में जाना जाता है। यह मुश्किल से बृहस्पति ग्रह से बड़े हैं। हालांकि इनमें से किसी के साथ एक विनाशकारी मुठभेड़ की संभावना बेहद कम है। कुछ इसी तरह लेखिका नैन्सी लीडर ने 1995 में दावा किया था कि एलियन ने उनसे संपर्क किया है। उनके मन में पहली बार यह विचार आया था कि निबिरू पृथ्वी से टकरा सकता है। उन्होंने और उनके फॉलोवर्स ने दावा किया था कि दुनिया 2003 में खत्म हो जाएगी। जब 2003 में प्रलय नहीं आया तो तारीखों को और आगे बढ़ा दिया गया। इसे 21 जून 2020 कर दिया गया। हालांकि ऐसा कुछ भी हुआ नहीं।

बिना अनुमति जल संसाधन की जमीन पर कैसे स्थापित हो गया रातों-रात चौक ?

सत्ता के करीबियों ने नहर की जमीन पर कर लिया अतिक्रमण,प्रशासन कागजबाजी में उलझा,एनजीटी के नियम ताक पर

» क्या सत्ता दल के नेताओं को कुछ भी करने का अधिकार मिला हुआ है?

» क्या नियम विरुद्ध तरीके से रातों-रात चौक स्थापित करने में स्थानीय विधायक की भी भूमिका अहम है?

» आम लोगों के लिए कड़े नियम कानून पर क्या सत्ता के करीबियों के लिए कड़े नियम कानून नहीं है?

रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 27 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के मुख्यालय बैकुंठपुर से करीब 3 किलोमीटर दूर भाड़ी में सत्ता के करीबियों ने नियम विरुद्ध तरीके से बिना जल संसाधन विभाग के अनुमति उनकी जमीन पर कर लिया अतिक्रमण और रातों-रात बना दिया चौक जैसे ही यह मामला लोगों को पता चला इसमें आपत्ति दर्ज कराई गई, अब सवाल यह उठता है क्या चौक स्थापित करने के लिए कोई नियम कानून नहीं है, कहीं भी स्थापित किया जा सकता है? जैसा की भाड़ी चौक पर देखने को मिला, वहां पर सत्ता पक्ष के लोग रातों-रात चौकी स्थापित कर दिया आखिर किस के इशारे पर यह हुआ इसका तो पता नहीं पर स्थानीय विधायक का संरक्षण मिला है ऐसा जन चर्चाओं का विषय है, यदि ऐसा हुआ है तो सवाल उठाना लाजमी है यदि ही विधायक नियम विरुद्ध तरीके से चौक का निर्माण कराएंगे तो फिर बाकियों से क्या उम्मीद की जा सकती है? चौक बनाने के लिए काफी प्रक्रियाएं हैं जिस से गुजरना पड़ता है पर क्या उन प्रक्रियाओं से गुजरा गया या फिर रात में पहुंचे और चौक तैयार क्या ऐसे ही तैयार किया जाता है शासन के द्वारा चौक?

कोरिया जिले में राजस्व विभाग की मैदानी सक्रियता किसी से छुपी नहीं है। यहां सिर्फ रसूखदारों की या फिर सत्ता के करीबियों की मनमानी चलती है। चाहे पुराने बांध में मुआवजा बांटना हो या फिर सरकारी जमीन को निजी हाथों में सौंपने की बात हो, विभाग के मैदानी अधिकारी बिना किसी देर के यह काम पूरी लगन के साथ कर रहे हैं। जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर का हाल इस मामले में सबसे ज्यादा खराब है। ऐसा ही एक मामला सामने आया है जिसमें सिल्फोड़ा जलाशय की मुख्य नहर पर ही रसूखदारों ने रातों रात अतिक्रमण कर लिया और राजस्व विभाग के नुमांइदे अपने नंबर बनाने के चक्कर में आज तक कार्यवाही नहीं कर सके। सूत्रों ने बताया कि यह बात जब प्रशासनिक प्रमुख के संज्ञान में आई तो उन्होने तुरंत कार्यवाही के निर्देष दिए परंतु स्थानीय नेता के दबाव में मैदानी अधिकारियों ने पूरे मामले को कागजबाजी में उलझा कर रख दिया है। यह पूरा मामला ग्राम पंचायत भांड़ी का है जहां एक चैक का निर्माण स्वीकृत हुआ था और इस कार्य के लिए ग्राम पंचायत भांड़ी को एजेंसी बनाया गया है। जब ग्राम पंचायत ने प्रस्तावित स्थल पर विवाद की स्थिति का अंदाजा लगाया तो काम करने से मना कर दिया। इस बात के लिए एक स्थानीय नागरिक ने अपनी लिखित आपत्ति भी दर्ज कराई परंतु वह आवेदन लालफीताशाही की भेंट चढ़ गया। पांच जून को सत्ता से जुड़े कुछ नेताओं ने सत्ता की हनक में आधी रात को ही चैक का निर्माण कर दिया। इस दौरान नायब तहसीलदार, नगर निरीक्षण सहित कई जिम्मेदार अधिकारी तमाषबीन बनकर मौके पर अतिक्रमण होते देखते रहे और अपने आप को सर्वोपरि मान चुके सत्ता के संरक्षण में पोषित कुछ रसूखदारों ने आधी रात को नहर की भूमि पर ही चौक का निर्माण कर दिया गया। जब एक स्थानीय व्यक्ति ने इस पर कलेक्टर कोरिया के समक्ष आपत्ति दर्ज कराई तो फिर राजस्व विभाग के मैदानी अमले ने पहले तो स्थगन आदेश दे दिया। फिर सत्ता से जुड़े एक नेता के दबाव में पूरे मामले को लंबा करने के लिए कागजबाजी का रास्ता निकाल लिया गया।

पहले नामजद स्थगन आदेश जारी करने वाले तहसीलदार जल संसाधन से पूछते हैं कि अतिक्रमण किसने किया

राजस्व विभाग बैकुंठपुर के बारे में जितना कहा जाए उतना ही कम है। इस मामले में जब एक स्थानीय व्यक्ति ने कलेक्टर कोरिया को बताया कि यह गलत निर्माण है तो कलेक्टर कोरिया ने तहसीलदार को जमकर फटकार लगाई। परंतु जैसा हर मामले में होता आया है मैदानी अधिकारियों ने तुरंत इसका तोड़ निकाला और जल संसाधन विभाग को फिर से एक चिटठी जारी कर पूछा है कि कौन अतिक्रमण किया है और विभाग ने क्या कार्यवाही की है। जबकि जल संसाधन विभाग के साथ ही राजस्व अमले के एक निरीक्षक ने दो सप्ताह पूर्व ही अपने प्रतिवेदन में लिख कर बाकायदा नक्षे व नाप सहित बता दिया था कि यह अतिक्रमण का मामला है और सिल्फोड़ा की माइनर नहर की भूमि पर किया गया है। अब तहसीलदार साहब को कौन बताए कि भू राजस्व संहिता में प्रदत्त अधिकारों के अनुसार हर तरह के अतिक्रमण पर कार्यवाही का अधिकार क्षेत्र उनका स्वयं का है। इसके बाद जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बाकायदा जुलाई के पहले सप्ताह में फिर से लिखकर दिया कि यह नहर की भूमि है और उस पर पूरा निर्माण अतिक्रमण की श्रेणी में आता है। लेकिन पत्र पाने के तीन सप्ताह बाद भी सभी मामलों में योग्य व कुषल तहसीलदार इस मामले पर अतिक्रमण हटाने का आदेष जारी नहीं कर सके हैं।

एनजीटी के नियम ताक पर

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यह कहता है कि जल से जुड़े हर स्रोत चाहे वह प्राकृतिक नदी, नाले, तालाब झील हों या फिर बनाए हुए तालाब, नहर, नाले या फिर सप्लाई चेनल, किसी पर भी कोई भी निर्माण की ना तो अनुज्ञा जारी की जा सकती है और ना ही किसी भी तरह का निर्माण कार्य किया जा सकता है ऐसा किया जाता है तो संबंधितों पर दण्ड प्रक्रिया संहिता के तहत कार्यवाही होनी चाहिए और यह अजमानतीय अपराध की श्रेणी में रखा गया है। इस संबंध में कार्यपालन अभियंता ने पत्र लिखकर पहले ही एसडीएम बैकुण्ठपुर को अवगत करा दिया था, साथ ही यह भी स्पष्ट तौर पर लिखा था कि यह सारा निर्माण नहर की भूमि पर अतिक्रमण है। लेकिन कोरिया जिले में एनजीटी का निर्देष, कानून और वैधानिक कार्यवाही यह सब कुछ केवल सत्ता के विरोधियों के लिए ही है। इसमें सत्ता पक्ष से जुड़े व्यक्तियों को कोई नुकसान नहीं होने दिया जाएगा।

ऐसे ही मामले में विपक्षी नेता हो चुके है गिरफ्तार

पूरे मामले को जानने वाले लोग बतलाते है कि कोरिया जिला मुख्यालय के समीप झुमका जलाशय है जो कि रामानुज प्रताप सागर के नाम से जाना जाता है। इसकी एक नहर नगरपालिका क्षेत्र बैकुण्ठपुर के महलपारा से गुजरती थी। उस पर प्रमुख विपक्षी दल से जुड़े बिल्डर संजय अग्रवाल ने समतल करके उसे किसी अन्य को बेच दिया था। जब मामला राजनैतिक प्रतिद्वंदी का हुआ तो सत्ता पक्ष ने आनन-फानन में सिंचाई अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्यवाही करवाते हुए उस मामले के मुख्य अभियुक्त बनाकर संजय अग्रवाल के खिलाफ एफआइआर करवाई और बाकायदा जेल में डाल दिया गया। अब यही काम सत्ता पक्ष से जुड़े एक नेता व उसके समर्थकों ने कर दिया है तो जिम्मेदार विभाग आंख मूंदकर बैठा हुआ है। इस मामले में प्रशासन किसकी सह पर क्या कर रहा है यह देखने लायक बात होगी। फिलहाल नहर की भूमि पर लंबा चौड़ा अतिक्रमण हो चुका है, उस पर स्थगन आदेष जारी किया गया है और तहसीलदार कागज में पूछ रहे है कि किसने बनाया, जल संसाधन विभाग ने क्या किया। जल संसाधन विभाग ने बाकायदा दुबारा लिख कर दे दिया है कि अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करें। अब देखने वाली बात होगी कि क्या तहसीलदार बैकुण्ठपुर बिल्डर संजय अग्रवाल की तर्ज पर नहर की जमीन पर अतिक्रमण करने वालों पर थाने में जल अधिनियम की धारा के तहत अपराध दर्ज कराएंगे और सत्ता से जुड़े लोग क्या गैर जमानती अपराध में जेल दाखिल किए जाएंगे या फिर सत्ता के प्रभाव में नतमस्तक होकर एनजीटी के प्रावधानो को सिर्फ कागज तक ही सीमित रखने का कार्य होगा।

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में किया गया पौधारोपण

-संवाददाता-

चिरमिरी 27 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। शासकीय लाहिड़ी स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना पुरुष एवं महिला इकाई के संयुक्त तत्वाधान में मेरा माटी मेरा देश के तहत दिनांक 26 -07-2023 को प्राचार्य महोदय की निर्देशन एवं मार्गदर्शन में कारगिल विजय दिवस मनाया गया इस अवसर पर महाविद्यालय के विज्ञान संकाय भवन प्रांगण में पौधारोपण किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार के सजावटी एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम अधिकारी विरेन्द्र कुमार के स्वागत उद्बोधन के साथ हुआ सर्वप्रथम आजादी की अमृत महोत्सव के अंतर्गत मेरी माटी, मेरा देश के तहत कारगिल विजय दिवस के अवसर पर माटी का नमन, वीरों का चंदन कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी गई इसके पश्चात महाविद्यालय के संस्था प्रमुख डॉ.राम किंकर पांडे के द्वारा देश की सुरक्षा के लिए प्रेरित करते हुए विभिन्न माध्यमों से बच्चों को परिचित कराया गया उनके द्वारा बताया गया कि देश की रक्षा सीमा के अतिरिक्त कई ऐसे माध्यम है जिसके द्वारा हम अपने देश की सुरक्षा कर सकते हैं जैसे वृक्षारोपण, शिक्षा के क्षेत्र में छात्राओं को प्रेरित करना, इत्यादि प्राचार्य महोदय द्वारा कारगिल क्षेत्र एवं कारगिल युद्ध के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई यह किस प्रकार हमारी सेना के जवान विषम परिस्थितियों में भी अपने देश की सुरक्षा के लिए खड़े रहते हैं। अंत में सुश्री प्रेमा कुजूर कार्यक्रम अधिकारी महिला इकाई के द्वारा बालिका शिक्षा एवं सेना में महिलाओं की भूमिका एवं कैरियर के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक गण, स्वयं सेवक एवं छात्र/छात्राऐं अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतिम बजट में नागपुर हाल्ट,चिरमिरी न्यू रेल लाईन परियोजना की राशि जारी नही होने से क्षेत्र के लोगो मे निराशाःमुकेश जायसवाल

-संवाददाता-

चिरमिरी 27 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। छतीसगढ़ सरकार के अंतिम बजट में भी नागपुर हाल्ट- चिरमिरी न्यू रेल लाईन परियोजना की राज्य सरकार के हिस्से की राशि जारी नही होने से इस क्षेत्र के लोगो मे गहरी निराशा है। स्थानीय विधायक द्वारा इस दिशा में कोई पहल नही करने से क्षेत्र के लोगो मे उनके प्रति जमकर आक्रोश है। उपरोक्त बातें भाजपा एमसीबी जिले के कोषाध्यक्ष मुकेश जायसवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही। उन्होंने आगे कहा कि लगभग 5 साल पहले केंद्र सरकार ने मनेंद्रगढ विधानसभा के सभी क्षेत्रों के चहुमुखी विकास के लिए नागपुर हाल्ट- चिरमिरी न्यू रेल लाईन परियोजना की मंजूरी दी थी, जिसमे 50 प्रतिशत राशि 120.50 करोड़ रुपये केंद्र को एवं 50 प्रतिशत की राशि 120.50 करोड़ रुपये राज्य सरकार को वहन करना था । केंद्र सरकार ने अपने हिस्से की 50 प्रतिशत की राशि की स्वीकृति उसी समय दे दी थी। लेकिन राज्य की कांग्रेस सरकार ने पूरे पांच साल बीत जाने के बावजूद अब तक अपने हिस्से की राशि की स्वीकृति नही दी है, जिसके कारण इस नई रेल परियोजना का कार्य अब तक शुरू नही हो पाया है। श्री जायसवाल ने आगे कहा कि यदि नागपुर हाल्ट से चिरमीरी रेल लाईन से जुड़ जाता तो अम्बिकापुर से चलने वाली सभी ट्रेनों को इस क्षेत्र से होकर गुजरना पड़ता और जबलपुर के साथ ही देश के कई बड़े शहरों तक इस क्षेत्र के लोगो का आना जाना ट्रेन के माध्यम से सुगम हो जाता। जिससे न सिर्फ इस क्षेत्र में व्यापार को बढ़ावा मिलता, बल्कि कच्चे माल की उपलब्धता आसान होने से कई नए उद्योगों के खुलने का रास्ता भी आसान हो जाता। श्री जायसवाल ने आगे कहा कि आज चिरमिरी जैसे शहर जो कि पलायन की समस्या से जूझ रहे है, वहां स्थायित्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होता। लेकिन स्थानीय जनोरतिनिधियो की उदासीनता के कारण केंद्र सरकार की इस महत्वपूर्ण सौगात से यह क्षेत्र पिछले पांच सालों से वंचित है। श्री जायसवाल ने आगे कहा कि यदि आगामी दिनों में छतीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनती है तो उनकी पहली प्राथमिकता होगी नागपुर चिरमिरी रेल लाईन का कार्य प्रारंभ कराना।

क्या मनेंद्रगढ़ विधायक फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर आरक्षण का लाभ प्राप्त कर बने हुए हैं डॉक्टर ?

क्या सत्ताधारी दल के विधायक पर फर्जी जाति प्रमाण पत्र का मामला पंजीबद्ध होगा ?

» विधायक के जाति प्रमाण पत्र की जांच के लिए थाने में हुई शिकायत है

» मनेंद्रगढ़ विधायक पर फर्जी जाति प्रमाण पत्र के लाभ लेने का आरोप

-रवि सिंह-

एमसीबी 27 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। क्या मनेंद्रगढ़ विधानसभा के वर्तमान विधायक फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर चिकित्सक बने हुए हैं, क्या उन्होंने गलत तरीके से जाति प्रमाण पत्र बनवाकर खुद के लिए आरक्षित कोटे से मेडिकल छात्र की सीट हथियाई थी और उसी आधार पर वह चिकित्सक बने हुए हैं यह सवाल अब उठने लगा है? क्योंकि उनके जाति प्रमाण के फर्जी होने का मामला अब पुलिस थाने पहुंचा हुआ है और मामले में एक व्यक्ति ने मय सबूत शिकायत प्रस्तुत की है और कार्यवाही की मांग की है। पुलिस थाने में शिकायत करने वाले बिजेंद्र कुमार ने यह दावा किया है की मनेंद्रगढ़ विधायक जो चिकित्सक भी हैं के द्वारा अपनी पैतृक जाति छिपाई गई है और जाति छिपाकर उन्होंने गलत तरीके से पिछड़ी जाति का प्रमाण पत्र हासिल किया है जिस आधार पर वह चिकित्सक बन सके हैं।

मनेंद्रगढ़ विधायक की जाति मामले में पहले भी सवाल उठाए गए हैं लेकिन पूर्व में उठाए गए सवाल इसलिए जोर नहीं पकड़ सके क्योंकि इसको लेकर किसी ने शिकायत कभी नहीं की वहीं वह सत्ता में विधायक हैं इसलिए भी मामले में किसी ने सामने आकर शिकायत नहीं की और मामला दबा रह गया, अब एक शिकायत पुलिस थाना खड़गवां में की गई है और शिकायतकर्ता ने शिकायत अपने नाम से की है, पूरे मामले में शिकायतकर्ता की शिकायत दर्ज हुई है की नहीं यह अभी जानकारी प्राप्त नहीं है लेकिन शिकायतकर्ता ने मामले में कार्यवाही की मांग जरूर की है और जांच कर कार्यवाही होती है की नहीं यह बड़ा सवाल है? क्योंकि सत्ताधारी दल के विधायक पर फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर पिछड़ी जाति का लाभ लेकर मेडिकल छात्र की सीट हथियाने और उसके बाद चिकित्सक बनने का यह गंभीर आरोप है और जो यदि सही पाया जाता है तो मामला अत्यंत गंभीर हो जाता है क्योंकि यदि आरक्षण का लाभ फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर विधायक ने पूर्व में लिया और अपने लिए पिछड़ा वर्ग से मेडिकल की सीट हथियाई तो निश्चित ही एक पात्र पिछड़ा वर्ग अभ्यर्थी की उस समय के उन्होंने अधिकार को प्रभावित किया और उसे उसके अधिकार से वंचित किया।

मनेंद्रगढ़ विधायक की जाति मामले में शिकायतकर्ता का है आरोप,पूर्वज हैं सामान्य वर्ग से विधायक ने लिया पिछड़ी जाति का लाभ

एमसीबी जिले के खड़गवां पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम जिल्दा निवासी बिजेंद्र कुमार ने पुलिस थाना खड़गवां में एक शिकायत पत्र प्रस्तुत किया है जिसमे वह मनेंद्रगढ़ के विधायक साथ ही चिकित्सक डॉक्टर विनय जायसवाल की जाति को लेकर आरोप लगा रहे हैं और उनकी शिकायत है की मनेंद्रगढ़ विधायक ने फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर मेडिकल सीट अपने लिए प्राप्त की और एक पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थी को उन्होंने नुकसान पहुंचाया जिसको लेकर कार्यवाही आवश्यक है। शिकायतकर्ता की शिकायत अनुसार तहसील कार्यालय मनेंद्रगढ़ से जाति प्रमाण पत्र रा प्र क्रमांक 401/ब इ121/95इ96 दिनांक 25/07/1996 का प्रमाण पत्र प्राप्त कर आरक्षित सीट पर दाखिला प्राप्त किया था डॉक्टर विनय जायसवाल ने जो प्राप्त अभिलेखों के अनुसार डॉक्टर विनय कुमार जायसवाल के परदादा स्व रामसुंदर आत्मज गंगाराम के नाम से प्राप्त मिसल बंदोबस्त के अनुसार 1947,1948 के अभिलेख में उनके दादा की जाति जैसवाल बनिया अंकित है जो की बनिया जाति सामान्य वर्ग की श्रेणी में आती है, चूंकि किसी व्यक्ति की जाति का प्रमाण पत्र उस व्यक्ति के पूर्वजों के मिशल बंदोबस्त भूमि के दस्तावेजों बी 1 खसरा जैसे दस्तावेजों के माध्यम से देखा जा सकता है और इनके वंशवृक्ष में साफ है की वह बनिया सामान्य जाति के हैं। वंशवृक्ष के अनुसार रामसुंदर आत्मज स्व गंगाराम की जाति बनिया जैसवाल दर्ज है जबकि डॉक्टर विनय जायसवाल आत्मज रमेश चंद्र जायसवाल के शाला स्थानांतरण प्रमाण पत्र के कालम में जायसवाल दर्ज है जो की 2620/17/07/1996 के प्रमाण पत्र में दर्ज किया हुआ है इस तरह यदि देखा जाए तो डॉक्टर विनय जायसवाल के पूर्वज जैसवाल बनिया सामान्य वर्ग से आते हैं और वहीं डॉक्टर विनय कुमार जायसवाल ने खुद के लिए कलार जाति का जाति प्रमाण पत्र प्राप्त किया हुआ हुआ जो कूट रचित दस्तावेजों के आधार पर बनी हुई जाति प्रमाण पत्र है। शिकायतकर्ता मामले में कार्यवाही की मांग करते हुए जल्द मामले में जांच सहित उचित कार्यवाही की मांग करने आवेदन प्रस्तुत किया है।

विधायक का जाति प्रमाण पत्र है फर्जी तो निश्चित ही मामला है गंभीर,क्या होगी जांच और कार्यवाही

मनेंद्रगढ़ विधायक जो चिकित्सक भी हैं और जिनके ऊपर जिल्डा निवासी बिजेंद्र कुमार ने यह आरोप लगाया है की उन्होंने फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर मेडिकल कोटे से अपने लिए सीट हथियाई थी और वह पिछड़ी जाति का बनकर एक पिछड़ी जाति के अभ्यर्थी को नुकसान पहुंचा चुके हैं के मामले में यदि शिकायत सही है तो मामला गंभीर है क्योंकि सामान्य वर्ग का होकर विधायक ने पूर्व में पिछड़ी जाति का प्रमाण पत्र हासिल किया और फिर पिछड़ा वर्ग कोटे से वह चिकित्सक बन गए। मामले में क्या जांच होगी क्या कार्यवाही होगी यह बड़ा सवाल है क्योंकि सत्ताधारी दल का विधायक होने के नाते वह मामले को दर्ज भी होने देंगे यह सवाल है। वैसे मामले में जांच एवम कार्यवाही होनी चाहिए क्योंकि जन प्रतिनिधि मामले में यदि शिकायत पर जांच नहीं होगी तो व्यवस्था पर प्रश्न उठेगा और यह सवाल भी उठेंगे की क्या सत्ता का संरक्षण प्राप्त कर कुछ भी गलत किया जा सकता है और उसे छिपाया जा सकता है।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला सरगुजा,(छ0ग0)

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विश्वनाथ सारथी आ0 सकाशी राम निवासी बंधिया चुआ थाना अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर ने कराया है कि आवेदक के (माता) मानकुवंर आ0 कांशीराम मृत्यु की दिनांक 20/11/2017 को स्थान निवास में हुई है। आवेदक के मृत्यु उपरांत मृत्यु का पंजीयन नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोईआपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोईविचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 6/07/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार
अम्बिकापुर

कार्यालय,जिला आबकारी अधिकारी,
बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

फोन नं. 07831-273110 कलेक्टोरेट बलरामपुर balrampurexcise@gmail.com

क्र./CSMCL/2023/1209 बलरामपुर, दिनांक 24/07/2023

पुर्न निविदा सूचना

छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड बलरामपुर-रामानुजगंज द्वारा जिले में संचालित 05 विदेशी मदिरा दुकानों में अनुज्ञप्ति वर्ष 2023-24 अर्थात 01.04.2023 से 31.03.2024 की अवधि में संग्रहित मदिरा के खाली कार्टन पुठ्ठों का विक्रय किया जाना है। खाली कार्टून पुठ्ठों के प्रति किलोग्राम की दर से विक्रय हेतु निर्धारित नियम शर्तों के अधीन इच्छुक क्रयकर्ताओं /निविदाकारों से बन्द लिफाफे में निविदा दिनांक 10.07.2023 को अपरान्ह 03:00 बजे तक आमंत्रित की गई थी। परन्तु कोई भी निविदा फार्म प्राप्त नहीं होने से निविदा प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो सका। निविदा प्रस्तुत करने हेतु आवेदन पत्र का प्रारूप, शर्ते एवं जिले की मदिरा दुकानों की सूची निविदा सूचना प्रकाशन के उपरांत कार्यालयीन समय में दिन्हंक 07.08.2023 तक जिला आबकारी कार्यालय से रूपये 500,/- नगद शुल्क जमा कर प्राप्त किया जा सकता है। खाली कार्टून पुठ्ठों के प्रति किलोग्राम की दर से विक्रय हेतु निर्धारित शर्तो के अधीन इच्छुक क्रयकर्ताओं/निविदादाताओं से बन्द लिफाफे में निविदा दिनांक 07.08.2023 को अपरान्ह 03:00 बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी सह जिला प्रबंधक, सी.एस.एम.सी.एल. कलेक्टोरेट बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.) में आमंत्रित की जाती है। निर्धारित तिथि एवं समय तक प्राप्त निविदा को दिनांक 07.08.2023 को अपरान्ह 04:00 बजे खोला जावेगा। निविदा के नियम/शर्तो तथा जिले की मदिरा दुकानों की संपूर्ण जानकारी कार्यालयीन समय में निविदा प्रकाशन के पश्चात कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

(कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)

जी0नं0-03646/3

जिला आबकारी अधिकारी
बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

क्या एक ही यू डाइस कोड से संचालित होते रहेंगे जिले के दो स्कूल ?

एक ही यू डाइस कोड से संचालित हो रहे जिले के दो स्कूल,एक आत्मानंद तो एक पूर्व माध्यमिक शाला पीपरडांड

आत्मानंद बैकुंठपुर स्कूल खुलने के दूसरे साल तक भी नहीं हो सकी स्कूल के लिए अलग से यू डाइस कोड की व्यवस्था

पीपरडांड पूर्व माध्यमिक शाला के नाम से ही संचालित हो रहा जिले का एक आत्मानंद स्कूल:सूत्र

आत्मानंद स्कूल बैकुंठपुर का नाम पीपरडांड किए जाने पर एक वर्ष पूर्व हुआ था विरोध

क्या आत्मानंद स्कूल बैकुंठपुर का नाम हमेशा के लिए रहने वाला है पीपरडांड ?

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,27 जुलाई 2023
(घटती घटना)

मुख्यमंत्री साथ ही प्रदेश की वर्तमान सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है आत्मानंद अंग्रेजी और हिंदी माध्यम स्कूल। सरकार सहित मु यमंत्री के इस महत्वाकांक्षी योजना को अमली जामा पहनाने और इसकी सफलता के लिए पूरा स्कूल शिक्षा विभाग सतत सक्रिय रहता है वहीं जिले में जिलाधीश भी स्कूल की व्यवस्था का जायजा लेते रहते हैं और स्कूल का संचालन बेहतर तरीके से हो इसको लेकर वह अपने स्तर पर प्रयासरत रहते हैं। कोरिया जिले में वर्तमान में कई अंग्रेजी और हिंदी माध्यम आत्मानंद स्कूल खोले जा चुके हैं और सभी अस्तित्व में आ चुके हैं और जिनमे छात्र छात्राओं की पढ़ाई भी जारी है।

आत्मानंद स्कूल की स्थापना साथ ही उसके अस्तित्व को लेकर यदि बात की जाए तो आत्मानंद स्कूल शिक्षा विभाग के ही द्वारा पहले से संचालित स्कूलों के यू डाइस कोड का सहारा लेकर स्थापित किए जाते हैं और

एक पूर्व का शासकीय स्कूल ही आत्मानंद स्कूल में परिवर्तित हो जाता है, जहां उसी स्कूल का यू डाइस कोड इस्तेमाल किया जाता है और एक पूर्व के शासकीय स्कूल को आत्मानंद स्कूल का दर्जा प्राप्त हो जाता है। आत्मानंद स्कूल वर्तमान प्रदेश सरकार की महवाकांक्षी योजनाओं में से एक है। मु यमंत्री इस स्कूल को लेकर काफी गंभीर रहते हैं और इसकी स्थापना भी वह लगातार करते जा रहें हैं और इसकी सं या में इजाफा भी हो रहा है। आत्मानंद स्कूल में अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा छात्र छात्राओं को मु त में मिल रही है और इसको लेकर आम लोगों में भी उत्साह है, जिसकी वजह से प्रत्येक स्कूल की दर्ज सं या भी पर्याप्त है यहां तक की वेटिंग की स्थिति है जो हर स्कूल का हाल है। मु यमंत्री ने कोरिया जिले के बैकुंठपुर में भी दो आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल की स्थापना की हुई है जिनमे से एक महलपारा में स्थापित है, जो वहीं के पुराने विद्यालय के यू डाइस कोड से संचालित है और एक रामानुज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में स्थित है जो पीपरडांड के नाम से संचालित है जैसा सूत्रों का कहना है। शहर के दो स्कूलों के अलावा कई और भी आत्मानंद स्कूल हैं जिनमे पटना, खरवत, बुढार, काटगोड़ी शामिल हैं जो वहीं के स्कूलों के यू डाइस कोड से संचालित हैं। यू डाइस कोड का मामला जानकारी अनुसार केवल एक आत्मानंद स्कूल का उलझा हुआ है जिले में जो जिला मु यालय का स्कूल है और जिसकी स्थापना पीपरडांड के नाम से की गई थी और इसी वजह से वहां समस्या बनी हुई है जो जानकारी मिल रही है।

क्या है यू डाइस कोड,क्या है इसकी उपयोगिता

यू डाइस कोड क्या है सबसे पहले यह जानना जरूरी है,किसी विद्यालय की एक पहचान सं या है यू डाइस कोड,यू डाइस कोड का उपयोग स्कूल की जानकारियों,दर्ज सं या की जानकारियों को सुरक्षित रखने के लिए किया जाता है वहीं शासन एवम विभाग को कई जानकारियां प्रदान करने में भी इसका उपयोग होता है,आज ऑनलाइन जमाने में यू डाइस कोड का महत्व अधिक है और इसके बिना स्कूल का संचालन मुस्कील ही नहीं नामुमकिन है,छात्रवृति का भुगतान भी यू डाइस की मदद से ही हो पाता है और इसलिए यह अनिवार्य एक पहचान है किसी स्कूल का।

पीपरडांड पूर्व माध्यमिक स्कूल के यू डाइस कोड का उपयोग अब दो स्कूल कर रहें हैं जिसकी वजह से उन्हें दिक्कतें भी आ रहीं हैं

पूर्व माध्यमिक स्कूल पीपरडांड के यू डाइस कोड का उपयोग अब दो स्कूल कर रहें हैं,एक पूर्व माध्यमिक स्कूल पीपरडांड स्वयं एक आत्मानंद स्कूल बैकुंठपुर जैसा सूत्रों का कहना है,अब एक यू डाइस कोड का दो स्कूलों द्वारा उपयोग किए जाने से स्कूल प्रबंधन को भी दिक्कतें हो रहीं हैं और बताया जा रहा है की हाल ही में छात्रवृत्ति मामले में जानकारी भेजने के दौरान दोनो स्कूल परेशान थे क्यों की एक के उपयोग करने की स्थिति में एक यू डाइस कोड का उपयोग नहीं कर पा रहा था।

एक वर्ष पश्चात भी विभाग नहीं ढूंढ पाया नया यू डाइस कोड,पीपरडांड पूर्व माध्यमिक शाला के यू डाइस कोड से ही संचालित है जिला मु यालय का आत्मानंद स्कूल

आत्मानंद बैकुंठपुर की स्थापना को अब एक वर्ष पूर्ण हो गए लेकिन विभाग स्कूल के लिए नया डाइस कोड नहीं ढूंढ सका और अब पीपरडांड के पूर्व माध्यमिक स्कूल के यू डाइस कोड से ही आत्मानंद स्कूल बैकुंठपुर संचालित हो रहा है जैसी सूचना हैक्या आत्मानंद स्कूल बैकुंठपुर के संचालन के लिए पीपरडांड के पूर्व माध्यमिक स्कूल को बंद करना पड़ेगा यह भी सवाल है। जब एक वर्ष में नए यू डाइस कोड की व्यवस्था विभाग नही कर सका जिसके पीछे की वजह भी यह बताई जा रही है की शासन के पास से स्कूल की जो स्वीकृति प्राप्त हुई है वह पीपरडांड के नाम से ही हुई है और इसलिए यह तकनीकी मामला भी है ऐसे में अब देखना होगा की आगे विभाग मामले में क्या निर्णय लेता है।

बैकुंठपुर के आत्मानंद स्कूल का नाम क्यों रखा गया था पीपरडांड के नाम, आइए जानते हैं

बैकुंठपुर में महलपारा में एक आत्मानंद स्कूल पहले से संचालित था,जिले वासियों की मांग पर एक स्कूल सरकार ने शहर में खासकर जिला मु यालय में और खोलने का निर्णय लिया और उसके लिए विभाग को व्यवस्था करने के लिए कहा गया,व्यवस्था के तहत सबसे आवश्यक था यू डाइस कोड जो किसी स्कूल का ही होना अनिवार्य था क्योंकि भवन की व्यवस्था उपलब्ध थी जो पॉलिटेक्निक कालेज के स्थांतरित होने उपरांत रिक्त था,ऐसे में यू डाइस कोड की समस्या हल करने का प्रयास किया गया जिसके लिए आवश्यक था की जिस स्कूल का यू डाइस लिया जाए वह बंद होने की स्थिति में हो और उसे बंद कर नए आत्मानंद स्कूल के लिए यू डाइस की व्यवस्था कर ली जाए,ऐसे में बैकुंठपुर के पीपरडांड ग्राम के पूर्व माध्यमिक स्कूल का चयन किया गया जहां दर्ज सं या बिल्कुल कम हो चुकी थी और उसे बंद कर उसके यू डाइस कोड का उपयोग आसान था। विभाग ने इसी आधार पर शासन को जानकारी भेजी और नए आत्मानंद की घोषणा हुई जो पीपरडांड के नाम पर हुई और जो जिला मु यालय में आरंभ हो गया।

पीपरडांड स्कूल बंद होने की सूचना जैसे ही बाहर निकली,क्षेत्र के लोगों ने किया विरोध, और फिर विभाग ने दिया स्पष्टीकरण

नए आत्मानंद की घोषणा से जहां जिले वासी खुश हुए वहीं जब नए स्कूल का नाम पीपरडांड रखने और पीपरडांड के पूर्व माध्यमिक स्कूल को बंद करने की बात विभाग से बाहर निकली पीपरडांड सहित आसपास के लोगों ने इसका विरोध किया और पीपरडांड के पूर्व माध्यमिक स्कूल के पक्ष में खड़े हो गए। लोगों का विरोध असर कर गया और विरोध के बाद विभाग ने स्पष्टीकरण दिया की पीपरडांड का पूर्व माध्यमिक स्कूल बंद नहीं किया जा रहा है और अब नए आत्मानंद स्कूल के लिए नए डाइस कोड की व्यवस्था की जायेगी और जिसके बाद लोग शांत हुए और मामला आया गया हो गया।

स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत मिनीमाता कन्या महाविद्यालय में निकाली गई जागरूकता रैली

-संवाददाता-
कोरबा,27 जुलाई 2023
(घटती घटना)

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर संजीव कुमार झा के निर्देशन में जिला नोडल स्वीप मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विश्वदीप के मार्गदर्शन में श्री मनोज खांडे उप जिला निर्वाचन अधिकारी के सहयोग से शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय में स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। महाविद्यालय मे साप्ताहिक गतिविधि अन्तर्गत रैली निकालकर मताधिकार के संबंध में जानकारी दी गई। मतदाताओं को बताया गया कि लोकतंत्र के निर्माण में एक-एक वोट का महत्व है। मतदाताओं को अपने अधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। मतदाता जागरूकता अभियान में कॉलेज की छात्राएं एवं शिक्षकगण शामिल हुए। सभी ने अच्छे मतदाता बनने का संकल्प लिया।

बालको ने पर्यावरण-जागरूकता कार्यक्रमों में प्रकृति संरक्षण को दिया बढ़ावा

-संवाददाता-
कोरबा,27 जुलाई 2023
(घटती घटना)

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने वित्तीय वर्ष में हरित पहलों के माध्यम से पर्यावरणीय प्रबंधन के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। सस्टेनेबिलिटी के प्रति अपने अटूट समर्पण को दर्शाते हुए बालको ने अपने पर्यावरणीय फुटप्रिंट को कम करने, वृक्षारोपण, सार्थक कर्मचारी जुड़ाव और हरित प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रकृति संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं।बालको ने सतत विकास की संस्कृति को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के लिए संगठन के भीतर 'ग्रीन टीम ऑफ द मंथ' प्रतियोगिता शुरू की है। प्रतियोगिता कंपनी के प्रत्येक विभाग के बीच मासिक

आधार पर होती है जिसका मूल्यांकन ग्रीन चैंपियन स्कोरकार्ड नामक पद्धति से होता है। स्कोरकार्ड विभिन्न महत्वपूर्ण मापदंडों जैसे विशिष्ट ऊर्जा खपत, विशिष्ट जल खपत, जल निर्वहन, अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण पहल, कार्बन उत्सर्जन में कमी, पर्यावरण पर प्रशिक्षण और जागरूकता, नियंत्रण उपकरण उपलब्धता आदि के आधार पर प्रत्येक एसबीयू के प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है। इस पहल ने विभागों के बीच सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया है जिससे पर्यावरण प्रथाओं में निरंतर सुधार हो रहा है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विभाग को पारिस्थितिक संरक्षण के प्रति उसके समर्पण और दूसरे विभागों को प्रेरित करने के लिए सम्मानित किया गया है।कंपनी ने पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहल की शुरूआत की हैं। इनमें 'इको-फ्रेंडली बिजनेस पार्टनर ऑफ द ईयर' और 'ग्रीन चैंपियन ऑफ द ईयर' पुरस्कार शामिल हैं। इन पुरस्कारों का उद्देश्य उन व्यापारिक साझेदारों और व्यक्तियों को सम्मानित करना है जिन्होंने पूरे वर्ष हरित प्रथाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हो। इन पहलो के माध्यम से कंपनी ने सतत संस्कृति को बढ़ावा दिया है। बालको ने पर्यावरण संरक्षण मुहिम में कर्मचारियों को शामिल कर उन्हें सतत विकास के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए 'ग्रीनर बर्थडे' की अवधारणा विकसित की है। वित्त वर्ष 2023 में 1.23 लाख से अधिक पौधे लगाए। कंपनी ने हाल ही में वित्त वर्ष 2024 में 1 लाख से अधिक पौधे लगाने का वादा किया है।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि हम अपने पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करने और संरक्षित करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं। तकनीक और नवीन सोच को अपनाकर हम आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थायी और हरित भविष्य बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। हम सतत प्रथाओं में सबसे आगे रहने और उद्योग के लिए एक उदाहरण स्थापित करने का प्रयास करते हैं। बालको प्रकृति संरक्षण के महत्व को समझते हुए हरित कल और पारिस्थितिक संतुलन को सुनिश्चित करने के लिए कटिबद्ध हैं।

कोतवाली पुलिस ने अमानत में खयानत करने वाले फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
कोरबा, 27 जुलाई 2023
(घटती घटना)

प्रार्थी विक्रम अग्रवाल पिता त्रिलोकचंद अग्रवाल उम्र 43 वर्ष निवासी जायसवाल गली पुरानी बस्ती कोरबा का दिनांक 22.02.2023 को थाना उपस्थित आकर लिखित रिपोर्ट दर्ज कराया कि प्रदीप कुमार तांडे नामक युवक उसके गणपति इंटरप्राइजेज नामक थोक दुकान में सेल्समैन का काम करता था जो जिले के अन्य व्यापारियों से नगदी रकम वसूली का काम करता था जो लालच वश शहर के विभिन्न व्यापारियों से लगभग 2,27,786 / रूपये को वसूल कर दुकान में जमा नहीं किया है कि रिपोर्ट पर थाना कोतवाली कोरबा में धारा 408 भादवि का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया था। मामले में पुलिस अधीक्षक यू उदय किरण को अवगत कराकर आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा एंव नगर पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी के मार्गदर्शन पर नगर निरीक्षक रूपक शर्मा के नेतृत्व में आरोपी की लगातार पतासाजी की जा रही थी जो अपने सकूनत से फरार चल रहा था। जो मुखबिर सूचना पर कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपी प्रदीप कुमार तांडे पिता पुरूषोत्तम लाल तांडे, उम्र 25 वर्ष, को उसके ग्राम सोनादुल्हा, थाना अकलतरा जिला जांजगीर चांपा से दिनांक 26.07.23 को पकड़कर थाना लाया गया एवं पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा अपना अपराध स्वीकार करने पर अपराध क्रमांक 124 / 23, धारा-408 भादवि विधिवत गिरफ्तार माननीय न्यायालय पेश किया गया । उपरोक्त कार्यवाही में नगर निरीक्षक रूपक शर्मा के नेतृत्व में स.उ.नि. हुसैन खान, आर. चंद्रकांत गुप्ता व आर. सुनील राजपूत की सराहनीय भूमिका रही।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

-संवाददाता-
कोरबा,27 जुलाई 2023
(घटती घटना)

अंबिकापुर। अनूप पिता अनूर उम्र 22 वर्ष प्रतापपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मसगा का रहने वाला था। वह 26 जुलाई की शाम को गांव के ही आशुदीप के साथ ग्राम टुकूडांड़ गया था। वहां से दोनों वापस लौट रहे थे। रास्ते में टुकूडांड़ और मसगा जंगल के बीच बाइक अनियंत्रित हो गई और दोनों सड़क पर गिरने से दोनों घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए प्रतापपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां स्थिति को गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने अनूप को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मोहर्रम पर्व शांति और सौहार्द पूर्वक मनाये:संजय अग्रवाल

-संवाददाता-
सूरजपुर, 27 जुलाई 2023
(घटती घटना)

सूरजपुर 27 जुलाई 2023/ कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में मोहर्रम पर्व के मद्देनजर शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को मोहर्रम पर्व शांति एवं सौहार्द पूर्वक मनाया जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जिले वासियों से सभी धर्मों के त्योहारों को शांति और सौहार्दपूर्ण मनाने कहा एवं अपील की है, जितने भी त्यौहार हो चाहे वह किसी

भी धर्म का हो, किसी भी समुदाय का हो। सब लोग आपस मिलजुल कर एक-दूसरे का सहयोग करते हुए शांति पूर्वक मनाये। उन्होंने विश्वास जताया है कि सभी लोग आपसी समन्वय और शांति के साथ त्यौहार को मनायेंगें। उन्होंने सूरजपुर की जो गरिमा है, छवि है, उसे यथावत बनाकर रखने की भी अपील की।

इस दौरान अतिरिक्त अधीक्षक श्री आई. कल्याण एलेसेला ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा की पर्व चाहे जिस समुदाय का हो शांति और भाईचारे के साथ हर्षोल्लास के वातावरण में मनाना चाहिए। सभी लोगों के सहयोग से ही शांति कायम रखने का प्रयास होता है। कोई ऐसा कार्य या बातचीत नहीं होनी चाहिए, जिससे किसी समुदाय की भावना को ठेस पहुंचे। उन्होंने उपस्थित लोगों से शांति बनाए रखने में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि त्यौहार के दौरान असमाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। अगर ऐसा करते हुए कोई पकड़ा जाता है, तो उसके उपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही इसकी सूचना पुलिस को दें, जिससे उनके खिलाफ त्वरित कार्रवाई की जाएगी। मोहर्रम का पर्व सभी लोग शांति व सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाये। उन्होंने सोशल मीडिया पर भड़काऊ मैसेज नहीं डालने की अपील लोगों से की। और कहा कि सभी मजहब के लोग आपस में एकता और भाईचारा के प्रतीक है। इसे कायम रखें।

इस दौरान बैठक में अतिरिक्त शोभराज अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर नरेन्द्र पैकरा, डॉ. प्रियंका वर्मा, एसडीएम रवि सिंह, सागर सिंह राज, श्रीमती दीपिका नेताम, तहसीलदार उमेश कुशवाहा, ओ.पी. सिंह, समीर शर्मा, पत्रकार ओंकार पाण्डेय, पार्षद जियाउलहक, जिला सदर इजराइल खान, अल्लाउद्दीन खान, फिरोज खान, शमरोज खान, इम्तियाज अहमद, कलीमुल्लाह, एसआई राजेन्द्र साहू, ब्रिजेष यादव, विमलेश सिंह, राजेश तिवारी, उमेश सिंह, मनी प्रसाद राजवाड़े सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कन्या महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर,27 जुलाई 2023
(घटती घटना)

आज शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय सूरजपुर में एन.एस.एस. स्वीप इकाई के तत्वावधान में एक दिवसीय मतदाता जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के प्राचार्य डॉ. एच.एन.दुबे के उद्बोधन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मास्टर ट्रेनर सी.बी. मिश्रा तथा दिग्विजय सिंह ने स्वीप प्रोग्राम वोटर हेल्पलाइन एप तथा संभाग में आयोजित किये जा रहे, चला संगी वोट देहे का विस्तृत वर्णन किया। इस अवसर पर एन.एस.एस. जिला सूरजपुर के डिस्ट्रिक्ट ऑर्गेनाइजर चंद्रभूषण मिश्रा ने पहली बार मत देने वाले विद्यार्थियों को शपथ भी दिलाई। एन.एस.एस. इकाई की प्रोग्राम ऑफिसर सुश्री पुजांजली भगत ने आगामी निर्वाचन प्रक्रिया में युवाओं की भागीदारी के संबंध में प्रकाश डाला। सहायक प्राध्यापक पुनीत गुप्ता ने लोकतंत्र में प्रत्येक वोट का महत्व के संबंध में विद्यार्थियों के साथ सारगर्भित जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. विनोद कुमार साहू तथा सहायक प्राध्यापक गण श्री संदीप सोनी, आनन्द पैकरा, डॉ. धनंजय पांडे तथा रोहित सेठ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महाविद्यालयीन छात्राओं ने हिस्सा लिया।

घुमन्तु पशुओं को लगाया गया रेडियम बेल्ट

-संवाददाता-
कोरबा,27 जुलाई 2023
(घटती घटना)

चांपा-कोरबा राजमार्ग पर उरगा में 25 पशुओं को रेडियम बेल्ट लगाया गया है। इस कार्य में पशु चिकित्सालय भैसमा प्रभारी डॉ. सतीश राठौर के नेतृत्व में ईश्वर श्रीवास परिचारक एवं क्षेत्र के पशुधन मित्रों का सहयोग रहा। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें डॉ. एस.पी. सिंह द्वारा पशुपालकों से अपील की गई है, कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने की दिशा में विभाग का सहयोग करें, अपने पशुओं को सड़कों पर ना छोड़े, रेडियम बेल्ट लगाने में सहयोग करें, लगे रेडियम बेल्ट, स्टीकर को ना छेड़ें।

भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की आठवीं पुण्यतिथि पर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया याद

-संवाददाता-
सूरजपुर,27 जुलाई 2023
(घटती घटना)

पूरे भारतवर्ष में 27 जुलाई दिन गुरुवार को भारत रत्न मिसाइल मैन पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की आठवीं पुण्यतिथि मनाई जा रही है इसी कड़ी में लखनपुर नगर के वार्ड क्रमांक 7 स्थित डॉ एपीजे अब्दुल कलाम चौक में नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि दिनेश साहू जनप्रतिनिधि सहित वार्ड वासी उपस्थित होकर डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के प्रतिमा पर दीप प्रज्वलितकर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। तथा उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान पार्षद प्रतिनिधि चंद्रभान सिंह, महमूद खान, नसरत अली, इमरान हुसैन, नईम खान, भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष महेश्वर रजवाडे, इमरान खान , तखलीक अली, सैफ खान, तौहीद खान,बबुआ, वार्ड वासी मौजूद रहे।

हरमनप्रीत कौर के व्यवहार को मिताली राज ने अपमानजनक कहा

» अब महिला क्रिकेट पर सबकी निगाहें

नई दिल्ली,27 जुलाई 2023। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में अपने गुस्से के बाद न केवल अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बल्कि कई पूर्व भारतीय क्रिकेटरों की भी आलोचना का शिकार हो गई हैं। एक या दो नहीं बल्कि हरमनप्रीत ने खेल में अंपायरिंग निर्णयों के संबंध में अपना आपा खो दिया क्योंकि उन्होंने संपत्ति को नुकसान पहुंचाया (स्टंप को मारना), सार्वजनिक रूप से अंपायरिंग निर्णयों को गलत ठहराया और फिर विपक्षी कप्तान का अनादर किया - ये सभी एक ही मैच में हुए।

हो रही आलोचना

भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी मदन लाल, भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान डायना एडुल्जी और अब पूर्व कप्तान मिताली राज ने हरमनप्रीत के आचरण को लेकर उनकी कड़ी आलोचना की है। मिताली ने कहा कि अब महिला क्रिकेट पर सबकी निगाहें हैं और सभी को सम्मानजनक तरीके से आचरण करना चाहिए क्योंकि खेल देखने वाले छोटे बच्चे भी हैं, जो अपने पसंदीदा सितारों का अनुकरण करना चाहेंगे।

उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत एक अच्छी खिलाड़ी हैं और कई बच्चों के लिए आदर्श हैं। एक जिम्मेदार क्रिकेटर के रूप में मैदान के अंदर और बाहर खुद को सम्मानजनक तरीके से संचालित करना होगा। मिताली राज ने कहा कि पहले, महिला क्रिकेट की सोशल मीडिया पर ज्यादा कवरेज या उपस्थिति नहीं थी; अब सब कुछ सार्वजनिक डोमेन में है और सभी क्रियाएं उन महत्वाकांक्षी बच्चों द्वारा अनुकरण की जाती हैं जो खेल खेलना चाहते हैं।

प्रतिद्वंद्वी के प्रति सम्मान दिखाए

मिताली ने कहा कि खेल में आक्रामकता और भावनाओं को केवल एक निश्चित सीमा तक ही व्यक्त किया जाना चाहिए, जबकि मैच के बाद की प्रस्तुति में उनके विपक्षी नंबर निगार सुल्ताना जोटी के प्रति उनके व्यवहार - अंपायरों को ट्रॉफी के साथ पोज देने के लिए बुलाने के लिए ताना मारना - अपमानजनक था। उन्होंने कहा कि एक टीम से अपेक्षा की जाती है कि वह प्रतिद्वंद्वी के प्रति सम्मान दिखाए, खासकर इस विशेष श्रृंखला में जहां किसी को बांग्लादेश को श्रेय देना चाहिए कि उन्होंने कैसे खेला और कड़ा संघर्ष किया। यह खेल के लिए, महिला क्रिकेट के लिए अच्छा है। उन्होंने कहा कि अगर ट्रॉफी के साथ फोटो सेशन के दौरान विपक्षी कप्तान के प्रति हरमन के व्यवहार के संबंध में मीडिया में जो रिपोर्ट की जा रही है वह सच है, तो यह बेहद अपमानजनक और नृशंस है।

11 खिलाड़ी करेंगे चीन में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व

भोपाल ,27 जुलाई 2023। मध्यप्रदेश में 11 अलग-अलग विधाओं के खिलाड़ी चीन के चेगंडू शहर में 28 जुलाई से आठ अगस्त तक होने वाले वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। सभी खिलाड़ी बुधवार की रात को भोपाल से चीन के लिए रवाना हो गये हैं। जनसम्पर्क अधिकारी बिन्दु सुनील ने बताया कि चीन रवाना होने वाले खिलाड़ियों में नौ मध्य प्रदेश की विभिन्न अकादमी से हैं। मध्यप्रदेश एथलेटिक्स अकादमी ऑफ एक्सीलेंस के समर दीप सिंह, निधि पवैया, शालिनी चौधरी (सभी बरकतउल्ला विश्वविद्यालय) अर्जुन वास्कले (एस एन सिटी विश्व विद्यालय), एमपी फेंसिंग अकादमी ऑफ़ एक्सीलेंस के शंकर (रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन), अंकित शर्मा (लवली प्रोफ़ेशनल विश्वविद्यालय) तथा मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी ऑफ एक्सीलेंस के ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और आशी चौकसे (दोनों गुरु नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर) और चिंकी यादव (बरकतउल्ला विश्वविद्यालय) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इनके अलावा मध्यप्रदेश की नंदनी वत्स (रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय) और कुमारी अंतिम यादव (लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय फगवाड़ा) जूडो में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रदेश की खेल और युवा कल्याण मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने चीन के लिए रवाना होने से पहले सभी खिलाड़ियों से भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम में मुलाकात कर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे सिर्फ़ लक्ष्य पर अपना ध्यान केंद्रित करें।

खिलाड़ियों को किसी बात की चिंता नहीं करनी है सिर्फ़ पदक हासिल करने पर ध्यान देना है। उन्होंने कहा कि हमारे खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन और उच्च स्तर के प्रशिक्षण से अब अंतरराष्ट्रीय मुकाम पर पहुंच कर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से प्रदेश और देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

प्रणय,लक्ष्य,सात्विक,चिराग बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में

तोक्यो ,27 जुलाई 2023। भारत के एच एस प्रणय , लक्ष्य सेन और सात्विक साइराज रंकीरेड्डी तथा चिराग शेट्टी की जोड़ी जापान ओपन बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता 21 वर्षके सेन ने जापान के केंटा सुनेयामा को 21 . 14, 21 . 16 से हराया। कोरिया ओपन जीतने वाले सात्विक साइराज और चिराग ने डेनमार्क के लास्से मोल्हेडे और जेप्पे बे को 21 . 17, 21 . 11 से मात दी। वहीं प्रणय ने हमवतन किदाम्बी श्रीकांत को 19 . 21, 21 . 9, 21 . 9 से हराया। महिला युगल में गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली को नामी मत्सुयामा और चिरारू शिडा ने 21 . 21, 21 . 19 से मात दी। सेन ने 50 मिनट के भीतर जापानी प्रतिद्वंद्वी को हराया। पहला गेम जीतने के बाद उसने सुनेयामा को वापसी का मौका ही नहीं दिया। वहीं प्रणय पहला गेम हार गए थे लेकिन शानदार वापसी करके अगले दो गेम जीते। सात्विक और चिराग के लिये मुकाबला लगभग एकतरफा रहा जिन्होंने सीधे गेमों में जीत दर्ज की। इस सत्र में सात्विक और चिराग ने कोरिया ओपन सुपर 500, स्विस ओपन सुपर 300 और इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 खिताब जीते हैं।

अमेरिका ने विश्व कप फुटबॉल मैच में नीदरलैंड से ड्रॉ खेला

वेलिंगटन ,27 जुलाई 2023। लिंडसे होरान के गोल की मदद से अमेरिका ने महिला विश्व कप फुटबॉल के मैच में नीदरलैंड को 1 . 1 से ड्रॉ पर रोका। नीदरलैंड के लिये पहले हाफ में जिल रूर्ड ने गोल किया। अमेरिका के लिये बराबरी का गोल होरान ने 62वें मिनट में हेडर पर दागा। इससे पहले डच खिलाड़ियों की छींटाकशी से होरान काफी गुस्से में थी। इस मैच के बाद अमेरिका और नीदरलैंड दोनों ग्रूप ई में शीर्ष पर हैं। अमेरिका का गोल औसत बेहतर होने के कारण उसकी स्थिति मजबूत है।

अमेरिका ने 2019 महिला विश्व कप के फाइनल में नीदरलैंड को ही 2 . 0 से हराया था। ग्रूप की शीर्ष टीम का सामना ग्रूप जी की दूसरे स्थान की टीम से होगा जिसमें स्वीडन, दक्षिण अफ्रीका, इटली और अर्जेंटीना शामिल है। दूसरे स्थान की टीम ग्रूप जी की शीर्ष टीम से मेलबर्न में खेलेगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुआ भारत का यह स्टार तेज गेंदबाज

नई दिल्ली,27 जुलाई 2023। टीम इंडिया के स्टार पेसर मोहम्मद सिराज वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से आराम मिलने के बाद स्वदेश वापस आ गए हैं। सिराज रविचंद्रन अश्विन, अजिंक्य रहाणे, केएस भरत और नवदीप सैनी के साथ टेस्ट में वापसी करने वाले बाकी खिलाड़ियों के साथ भारत लौटे हैं। सिराज को वनडे में तेज आक्रमण का नेतृत्व करने की उम्मीद थी जिसमें हरफनमौला हार्दिक पंड्या, जयदेव उनादकट, शार्दुल ठाकुर, मुकेश और उमरान मलिक भी शामिल थे जबकि मोहम्मद शमी को आराम दिया गया था। हालांकि, ईएसपीएनक्रिकइंफो वेबसाइट के मुताबिक, बीसीसीआई ने सिराज को उनके कार्यभार के कारण वेस्टइंडीज दौरे के एकदिवसीय मैच से आराम देने का फैसला किया। भारत को अगस्त के अंत से सितंबर के मध्य तक एशिया

कप 2023 का में खेलना है, जिसके बाद सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू श्रृंखला खेलनी है। अक्टूबर में घरेलू एकदिवसीय विश्व कप 2023 से पहले भारत का कार्यक्रम व्यस्त रहने वाला है। सिराज, जिन्हें कैरेबियाई दौरे के लिए टी20 टीम में शामिल नहीं किया गया था, ने दो टेस्ट मैचों में सात विकेट लिए, जिसमें पोर्ट-ऑफ-स्पेन के सपाट पीच पर पहली पारी में पांच विकेट भी शामिल थे, जिससे चौथी सुबह वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी ढह गई। सिराज का आखिरी वनडे घरेलू मैदान पर मार्च 2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ था।

जहां तक तेज गेंदबाजी स्टॉक की बात है तो सिराज की अनुपस्थिति से भारतीय टीम को अपनी बेंच स्ट्रेंथ को परखने का मौका मिल गया है। सिराज ने पिछले 18 महीनों में भारत के लिए 50 ओवर के प्रारूप में गेंद के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और 23 मैचों में 5 से कम की इकॉनमी रेट से 43 विकेट लिए हैं। वेस्टइंडीज को अब भारत के अनुभवहीन तेज गेंदबाजी आक्रमण से फायदा उठाने की उम्मीद होगी क्योंकि सिराज नहीं हैं। भारत के कप्तान रोहित शर्मा उम्मीद कर रहे हैं कि पिछले साल सितंबर से बाहर चल रहे स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इस साल अक्टूबर में वनडे विश्व कप से पहले खेलने का पर्याप्त समय मिल सकता है।

खेल मंत्रालय ने भारतीय फुटबॉल टीमों की एशियाई खेलों में भागीदारी को मंजूरी दी

नई दिल्ली,27 जुलाई 2023। खेल मंत्रालय के मौजूदा चयन मानदंडों में ढील देने के फैसले के बाद भारत की पुरुष और महिला फुटबॉल टीमों का चीन के हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों में भागीदारी का रास्ता साफ हो गया। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने इससे पहले इस आधार पर भारतीय फुटबॉल टीमों को एशियाई खेलों में भाग लेने की मंजूरी नहीं दी क्योंकि वह रैंकिंग में एशिया की शीर्ष आठ टीमों में शामिल नहीं हैं। इसके बाद अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में पुरुष और महिला टीमों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए खेल मंत्रालय से अपील की थी।

भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के कोच इगोर स्टिमक ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप की मांग की थी। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को ट्वीट किया,'' भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए अच्छी खबर। हमारी पुरुष और महिला दोनों टीम आगामी एशियाई खेलों में भाग लेंगी।'' उन्होंने आगे कहा,'' भारत सरकार के खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय ने इन दोनों टीमों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए नियमों में ढील देने का फैसला किया है। वर्तमान मानदंडों के हिसाब से दोनों टीम क्वालीफाई नहीं कर रही थी।''

ठाकुर ने कहा,'' हाल में उनके प्रदर्शन को देखते हुए मंत्रालय ने नियमों में ढील देने का फैसला किया। मुझे पूरा विश्वास है कि वे एशियाई खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके देश को गौरवान्वित करेंगे।'' मंत्रालय के टीम प्रतियोगिताओं के लिए चयन मानदंडों के अनुसार अपने संबंधित खेल में महाद्वीपीय रैंकिंग में शीर्ष आठ पर रहने वाली टीमों को ही एशियाई खेलों में खेलने की अनुमति दी जाती है। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम की एशिया में रैंकिंग 18 जबकि महिला टीम की 11 है। एशियाई खेलों का आयोजन चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से 8 अक्टूबर के बीच होगा।

भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने नीदरलैंड के साथ टूर्नामेंट में 1-1 से ड्रॉ खेला

बार्सीलोना ,27 जुलाई 2023। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2022 .23 खिताब जीतने वाली नीदरलैंड टीम को स्पेनिश हॉकी महासंघ की सौंवी वर्षगांठ पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 1 . 1 से ड्रॉ पर रोका। भारत को पहले मैच में स्पेन ने हराया था लेकिन भारतीय टीम ने दूसरे मैच में प्रभावी प्रदर्शन किया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने भारत के लिये एकमात्र गोल 12वें मिनट में किया जबकि डच टीम के लिये जैस्पर ब्रिंकमैन ने 40वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। भारत ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया लेकिन पहला पेनल्टी कॉर्नर डच टीम को मिला जिस पर गोल नहीं हो सका। भारत को 12वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को हरमनप्रीत ने गोल में बदला। हार्दिक सिंह से मिली गेंद को गोल के भीतर डालने में उन्होंने कोई चूक नहीं की।

दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों को पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन गोल नहीं हो सका। भारत के लिये पीआर श्रीजेश की जगह उस समय खेल रहे गोलकीपर कृशन पाठक ने प्रभावी प्रदर्शन किया। डच गोलकीपर मौरिटिस विस्सेर ने भी भारतीयों को गोल नहीं करने दिये। तीसरे क्वार्टर की शुरूआत में दोनों टीमों को एक एक पेनल्टी कॉर्नर मिला। श्रीजेश ने मैदान पर लौटने के बाद डच टीम को गोल से वंचित रखा। आखिरकार ब्रिंकमैन का अनुभव डच टीम के काम आया जिन्होंने पेनल्टी कॉर्नर पर बराबरी का गोल किया। आखिरी क्षणों में भारत ने हरमनप्रीत की अगुवाई में जवाबी हमला किया लेकिन कामयाबी नहीं मिली।

हैम्बर्ग ओपन में आंद्रेयी रुब्लेव की शानदार जीत

हैम्बर्ग ,27 जुलाई 2023। आंद्रेयी रुब्लेव ने हैम्बर्ग यूरोपियन ओपन में एक रोमांचक मुकाबले में अंतिम समय में स्पेन के बर्नाबे ज़पाटा मिराल्स के खिलाफ जीत अपने नाम की। आंद्रेयी रुब्लेव ने यह मैच 5-7, 6-1, 7-6(7) से जीतकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे वरीय ने एटीपी 500 क्ले-कोर्ट इवेंट में धीमी शुरुआत से उबरते हुए, तीसरे सेट में ज़पाटा मिराल्स को रोकने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिया जो सीज़न की अपनी पहली शीर्ष 10 जीत का पीछा कर रहे थे।

रुब्लेव ने तीसरे सेट के टाई-ब्रेक में 4/6 से वापसी की और फोरहैंड विनर के साथ 6/7 पर अपना तीसरा मैच प्वाइंट बचाया। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने दो घंटे, 53 मिनट तक चले पहले दौर के रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद अपनी खुशी जाहिर की। अन्य मैचों में, चौथी वरीयता प्राप्त एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने राउंड ऑफ 32 में जर्मनी के वाइल्ड कार्ड मैक्सीमिलियन मार्टेरर को 6-3, 7-5 से हराया, जबकि शीर्ष वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड ने दूसरा सेट हारने के बाद वापसी करते हुए सेबेस्टियन बेज को 6-3, 1-6, 6-3 से हराया।

सातवीं वरीयता प्राप्त स्पेन के एलेजांद्रो डेविडोविच लुका वैन एश से 6-3, 6-7(5), 4-6 से हार गए जबकि लास्लो जेरे ने अर्जेंटीना के गुइडो पेला को 6-2, 3-6, 6-3 से हराया। रूड का अगला मुकाबला चिली के क्रिस्टियन गारिन से होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सीज़न के अपने दूसरे टूर-स्तरीय खिताब का पीछा कर रहा है, जिसने अप्रैल में एस्टोरिल में क्ले पर जीत हासिल की थी। पिछले सप्ताह रूड बस्ताद में चैंपियनशिप मैच में पहुंचे, जहां वह रुब्लेव से हार गए। रुड 2020 में हैम्बर्ग में अपनी पिछली उपस्थिति में सेमीफाइनल में पहुंचे थे और जर्मनी में एक बार फिर अपने सामने एक बड़ा लक्ष्य रखेंगे। यह 24 वर्षीय खिलाड़ी वर्तमान में आठवें स्थान पर है और एटीपी फाइनल्स में लगातार तीसरी बार भाग लेने की कोशिश में है।

केतिका शर्मा ने पवन कल्याण के साथ एक यादगार बातचीत साझा की

युवा अभिनेत्री केतिका शर्मा पावरहाउस पवन कल्याण और साई धर्म तेज अभिनीत आगामी सामाजिक-फंतासी कॉमेडी ड्रामा फिल्म ब्रो में अपनी पहचान बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जैसा कि फिल्म 28 जुलाई को नाटकीय रिलीज के लिए तैयार है, केतिका ने हाल ही में मीडिया से बातचीत की और परियोजना पर काम करने के बारे में अपने अनुभव और अंतर्दृष्टि साझा की। केतिका ने स्वीकार किया कि वह शुरू में इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता पवन कल्याण से मिलने की संभावना से घबराई हुई और भयभीत थीं। हालाँकि, उनके साथ काम करने के उत्साह ने उनकी भागीदारी के बारे में सुनते ही तुरंत फिल्म साइन कर ली। हालांकि पवन कल्याण के साथ उनका कोई संयोजन दृश्य नहीं है, केतिका को उनके साथ संक्षेप में फ्रेम साझा करने का अवसर मिला, हालांकि उन्होंने उस विशेष दृश्य के दौरान बातचीत नहीं की। उन्होंने पवन कल्याण से परिचय कराने के लिए साई धर्म तेज का आभार व्यक्त किया, जिससे एक संक्षिप्त बातचीत हुई और गर्मजोशी से स्वागत हुआ।अपने चरित्र और संवादों के संदर्भ में, केतिका ने खुलासा किया कि फिल्म के लेखक त्रिविक्रम श्रीनिवास ने विशेष रूप से उनके लिए कुछ मजेदार और मनोरंजक संवाद तैयार किए हैं। इसके अलावा, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके किरदार को फिल्म के तमिल मूल विनोद्या सीथम में मुख्य महिला किरदार की तुलना में अधिक स्क्रीन समय दिया गया है।

केतिका ने आगे कहा कि ब्रो एक महत्वपूर्ण संदेश देता है, जो एक अभिनेता के रूप में उनके लिए एक अनोखा और संतुष्टिदायक अनुभव है।प्रतिभाशाली तमिल अभिनेता-फिल्म निर्माता समुथिरखानी द्वारा निर्देशित और ज़ी स्टूडियोज के सहयोग से पीपल मीडिया फैक्ट्री पर टीजी विश्वप्रसाद द्वारा निर्मित, ब्रो एक मनोरम सिनेमाई अनुभव देने का वादा करता है। पवन कल्याण, साई धर्म तेज और केतिका शर्मा सहित शक्तिशाली कलाकारों की टोली और निर्देशक की रचनात्मक दृष्टि के संयोजन के साथ, फिल्म से दर्शकों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ने की उम्मीद है।

गदर 2 का ट्रेलर जारी,तारा सिंह बन सनी देओल की दमदार वापसी

गदर की गिनती हिंदी सिनेमा की बेहतरीन फिल्मों में होती है। फिल्म ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर कमाई के झंडे गाड़े थे, बल्कि सनी देओल का अभिनय, एक्शन और फिल्म की कहानी तक दिल को छू गई थी।फिल्म के सीक्वल का इंतजार लंबे समय से किया जा रहा है, जो अब जल्द ही खत्म होने वाला है। अब इस साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक गदर 2 का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है।

फिल्म की कहानी 1971 में सेट है। पिछली बार तारा सिंह उर्फ सनी अपनी पत्नी को लाने पाकिस्तान गया था। इस बार उसने अपने बेटे को छुड़ाने के लिए लाहौर का रुख किया है। 3 मिनट के ट्रेलर में जहां तारा के जबरदस्त डायलॉग ध्यान खींचते हैं, वहीं उनके तेवर और धमाकेदार एक्शन-स्टंट सीन भी देखते ही बनते हैं।ट्रेलर देख इतना तो साफ है कि जल्द ही एक मसालेदार एक्शन फिल्म दर्शकों के बीच आने वाली है।

गदर 2 के निर्माताओं ने बहुत पहले प्रमोशन शुरू कर दिया था। पहले ओरिजनल फिल्म को झाड़-पोंछकर को दोबारा रिलीज किया गया। फिल्म की वीडियो क्वालिटी को चमकाया गया। माहौल बनने लगा तो फिल्म से जुड़ीं दूसरी जानकारियां देनी शुरू कीं।निर्देशक अनिल शर्मा पूरी कोशिश कर रहे हैं कि गदर 2 हल्ला मचा सके, ताकि दूर-दूर तक इसकी रिलीज को लेकर चर्चा हो।अब जल्द ही एक समारोह रखा जाएगा, जहां फिल्म के सभी गायक लाइव गाने गाएंगे। गदर 2 का पहला पोस्टर 26 जनवरी, 2023 को रिलीज किया गया था। इसी के साथ सनी ने इस फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा हटाया था।पोस्टर के साथ सनी ने लिखा था, हिन्दुस्तान जिंदाबाद है... जिंदाबाद था... और जिंदाबाद रहेगा। इस स्वतंत्रता दिवस हम दो दशक बाद बॉलीवुड का सबसे बड़ा सीक्वल लेकर आ रहे हैं। गदर 2 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।इसी दिन फिल्म ओह माय गॉड 2 भी रिलीज हो रही है।

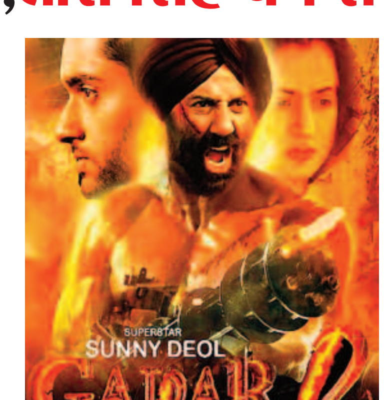

गदर- एक प्रेमकथा एक पीरियड एक्शन ड्रामा है, जिसका निर्देशन अनिल ने ही किया था। फिल्म में सनी, अमीषा पटेल और अमरीश पुरी मुख्य भूमिका में दिखे थे।इसकी गिनती बॉलीवुड की शानदार और यादगर फिल्मों में होती है। यह 1947 में हुए भारत विभाजन की कहानी पर आधारित है।इसमें दिखाया गया कि कैसे एक मुस्लिम लड़की और एक पंजाबी लड़के का प्यार सरहदों से परे जाकर अपनी मंजिल चुनता है।यह फिल्म जी5 पर देखी जा सकती है।

रवीना टंडन की वन फ्राइडे नाइट का पहला पोस्टर जारी,

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन ने कुछ दिनों पहले अपनी नई फिल्म वन फ्राइडे का ऐलान किया था।इसमें रवीना के साथ मिलिंद सोमन और विधि चितालिया जैसे कलाकार अभिनय करते नजर आएंगे। अब निर्माताओं ने फिल्म का पहला पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें रवीना और मिलिंद की झलक देखने को मिल रही है।वन फ्राइडे नाइट का निर्देश मनीष गुप्ता द्वारा किया गया है, जबकि यह फिल्म ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित है।

वन फ्राइडे नाइट ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज होगी। इसका प्रीमियर 28 जुलाई से होगा।जियो सिनेमा पर अपने आधिकारिक ट्विटर पर फिल्म वन फ्राइडे नाइट का पहला पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, प्यार, विश्वासघात और रहस्य। रवीना टंडन, मिलिंद सोमन और विधि चितालिया के त्रिकोण वाले इस रहस्य को उजागर करें।वन फ्राइडे नाइट की कहानी रमेश रवींद्रनाथ और कमल चोपड़ा ने मिलकर लिखी है।90 के दशक की सबसे मशहूर अभिनेत्रियों में रवीना टंडन भी शामिल हैं। रवीना उस समय कॉलेज में थीं जब उन्हें शांतनू शीरोय से एक फिल्म का प्रस्ताव मिला। बचपन से फिल्मों से लगाव के कारण रवीना ने कॉलेज छोड़ दिया और फिल्म को हाँ कह दिया।

संविदाकर्मियों के नियमितीकरण मामले पर सामान्य प्रशासन ने लिया संज्ञान

विभागों से मांगी गई कर्मचारियों की जानकारी

रायपुर,27 जुलाई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर से संविदा और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की नियमितीकरण का मुद्दा उठा है। अनुमान लगाया जा रहा है की विधानसभा चुनाव से पहले संविदा कर्मियों का नियमितीकरण किया जा सकता है। सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागों को आदेश जारी कर एक सप्ताह के भीतर ऐसे सभी कर्मचारियों की जानकारी मांगी है। बता दें कि विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के पहले राज्य सरकार इन कर्मचारियों को नियमितीकरण का तोहफा दे सकती है।

5 अगस्त को हो सकता है ऐलान

ऐसा जाना जा रहा है ये बड़ा ऐलान अगले महीने स्वतंत्रता दिवस यानि 15 अगस्त को हो सकती है। इसके लिए विभागों से जानकारी इन संविदा कर्मचारियों की जानकारी मांगी गई है। इसे लेकर डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने विभागों को लेटर लेकर कर्मचारियों से संबंधित जानकारी मांगी है।

सामान्य प्रशासन विभाग ने मांगी जानकारी

आपको बता दें डिप्टी सीएम के आदेश के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागों को आदेश जारी कर एक सप्ताह के अंदर इन संविदा कर्मचारियों की सभी जानकारी मांगी है। आदेश के अनुसार प्रदेश के संविदा कर्मियों के साथ ही दैनिक वेतन भोगी, अनियमित दैनिक श्रमिकों में एक बार फिर से नियमितीकरण की उम्मीद जगी है। विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के पहले राज्य सरकार इन कर्मचारियों को नियमितीकरण का तोहफा दे सकती है।

छग में कर्मचारियों के नियमितीकरण पर मंत्री रविन्द्र चौबे ने कहा- मंत्रिमंडल में चर्चा हो गई है

छत्तीसगढ़ में कर्मचारियों के नियमितीकरण पर मंत्री रविन्द्र चौबे ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि नियमितीकरण को लेकर मंत्रिमंडल में चर्चा हो गई है। विभागवार जानकारी मंगाई गई है। जल्द ही सरकार इस पर निर्णय लेने वाली है।

वेतन में एकमुश्त 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद भी आंदोलन में डटे संविदा कर्मियों के लिए आशा की नई किरण जागी है। सरकार ने सभी विभागों से

संविदा कर्मचारियों की जानकारी मांगी है।
सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से सभी सरकारी विभाग प्रमुखों के नाम से जारी आदेश पत्र में 2004 से 18 और 2019 से 23 तक सीधी भर्ती के पदों पर नियुक्ति की जानकारी मांगी गई है, संविदा, अनियमित और दैनिक वेतन पर कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों की जानकारी तैयार करने को कहा गया है। सभी विभागों को 7 दिन के भीतर जानकारी भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

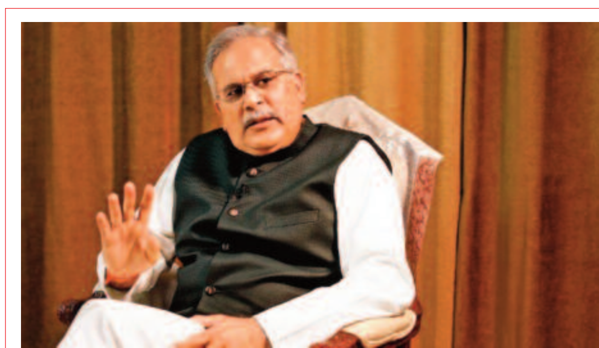

मणिपुर हिंसा मामले में सीएम भूपेश बघेल ने मोदी पर साधा निशाना

रायपुर,27 जुलाई 2023(ए)। मणिपुर हिंसा को लेकर देशभर में जारी बवाल के बीच छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के पास पूरे देश में घूमने के लिए समय है परंतु संसद में चर्चा में भाग लेने का समय नहीं है। सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि संसद में मणिपुर मुद्दे को लेकर पक्ष और विपक्ष के बीच लगातार तीखा नोंकझोंक चल रहा है। विपक्ष इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री का बयान सुनना चाहते हैं और इस घटना को लेकर चर्चा की मांग कर रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री आखिर कब बोलेंगे, प्रधानमंत्री बयान दें, चर्चा के लिए वह क्यों नही आ रहे हैं। इतनी सी तो बात है। वह देश के प्रधानमंत्री हैं यह प्रचार करने जा सकते हैं, दुनिया भर का दौरा कर सकते हैं तो सदन में क्यों बात नहीं करते। यही बात तो कांग्रेस के हमारे अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े भी कह रहे हैं। बघेल ने एक सवाल के जवाब में किसानों की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा की मानसिकता है कि वे किसानों के दर्द को नहीं समझ सकते, किन परिस्थितियों में वह फसल उगाते हैं, उन्हें कीमत नहीं मिलती और घाटा हो जाता है। कर्ज से लदे रहते हैं और छत्तीसगढ़ सरकार ने साढे नौ हजार करोड रुपए माफ कर किसानों को उऋण किया और आज छत्तीसगढ़ किसान कितना खुशहाल है। उन्हें समर्थन मूल्य मिल रहा है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना का लाभ मिल रहा है। धान की फसल में 2640 रुपये मिले, जो सर्वाधिक है। किसानों को जो सुविधा दी जाती है उसे भाजपा के लोग रेवड़ी कहते हैं। आने वाले वर्ष 2023 और 2024 के चुनाव में उन्हें सबक सिखाएंगे।

एम्स के नए निदेशक होंगे डॉ.अजय सिंह

रायपुर,27 जुलाई 2023(ए)। प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह को रायपुर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान का निदेशक बनाया गया हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल के कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह को रायपुर एम्स के निदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। प्रो. सिंह एक बाल चिकित्सा आर्थोपेडिक सर्जन और आपातकालीन चिकित्सा में अग्रणी हैं।

नियुक्ति हुई आदेश नहीं हुआ

इसलिए नहीं ले पाए पूर्व मंत्री टेकाम पदभार

» नियुक्त की घोषणा के 13 दिन बाद भी अब तक आदेश नहीं

» सीएम की स्वीकृति के बाद नोट शीट सीएस के पास है लंबित

रायपुर,27 जुलाई 2023 (ए)। कांग्रेस के आदिवासी विधायक और पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम नियुक्ति के बाद भी योजना आयोग का कार्यभार नहीं लिए हैं। उनकी योजना आयोग के अध्यक्ष पर पर नियुक्ति तो कर दी गई है, लेकिन विधिसम्मत आदेश पारित नहीं किया गया है। इसलिए अध्यक्ष पद की घोषणा होने के 13 दिन बाद भी वो उपयुक्त प्रक्रिया की बात जोह रहे हैं।

पूर्व मंत्री डॉ.टेकाम से मंत्री पद छिनने के बाद उन्हें राज्य योजना मंडल (आयोग) के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किये जाने का एलान किया गया था। घोषणा के 13 दिन बाद भी नामालूम कारणों से उनका आदेश जारी नहीं किया गया है। टेकाम को सीएम भूपेश बघेल की जगह कैबिनेट मंत्री के दर्जे के साथ योजना आयोग के अध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा की गई थी। इससे पहले उन्होंने शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दिया था। नियुक्त पर सीएम की मुहर के बाद नोट शीट मुख्य सचिव के पास लंबित है।

शासन को सदन में विधेयक लाना पड़ा था

बताया गया कि पहले योजना मंडल था, जो कि आयोग बन चुका है। इससे जुड़ी तकनीकी दिक्कतों को दूर करने के लिए विधानसभा में विधेयक भी पारित किया गया था। सूत्रों के मुताबिक आयोग से जुड़ी दिक्कतों को दूर कर लिया गया है। बता दें कि नियुक्ति को लेकर कई तरह की तकनीकी दिक्कतें हैं। पहले आयोग अथवा योजना मंडल के चेयरमैन सीएम होते थे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)